केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी का पूरा फोकस इस लोकसभा चुनाव में जीत का नया रिकॉर्ड बनाने पर है। इसके लिए पार्टी आज से नहीं कई महीनों से तैयारी में जुटी हुई है। पार्टी का टारगेट एनडीए गठबंधन को '400 पार' पहुंचाने पर है। खुद पीएम मोदी ने ये टारगेट सेट किया है,

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:97 दिनांक:19-03-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पूर्व भाजपा नेता नूपुर शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। खबर है कि भारतीय जनता पार्टी उन्हें रायबरेली से चुनाव लड़ा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, ञ्छ नूपुर शर्मा को रायबरेली से चुनाव लड़ाने पर विचार कर रही है। इस बीच सोमवार को बीजेपी सीईसी की बैठक होगी।

आचार संहिता लागू होने के बाद बड़ी कार्रवाई 6 राज्यों के गृह सचिव हटाए गए

एक से ज्यादा पद पर तैनात थे; पश्चिम बंगाल के डीजीपी का नाम भी शामिल

नई दिल्ली(ईएमएस)। निष्पक्ष लोकसभा चुनाव में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने सोमवार को गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के गृह सचिवों को हटाने का आदेश दिया। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को हटाने का भी आदेश दिया गया। यह कदम समान अवसर बनाए रखने और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने के आयोग के कोशिशों का हिस्सा है।

मिजोरम-हिमाचल प्रदेश के कई सचिव को हटाया

साथ ही मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के सामान्य प्रशासनिक विभागों के सचिव को हटा दिया गया है। लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के कुछ दिनों बाद मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता वाले चुनाव पैनल ने बृहन्मुंबई नगर आयुक्त इकबाल सिंह चहल, अतिरिक्त आयुक्तों और उपायुक्तों को हटाने का भी आदेश दिया।

चुनाव आयोग ने सभी राज्यों को दिए थे निर्देश

आयोग ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि वे चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े उन अधिकारियों का तबादला करें, जो तीन साल पूरे कर चुके हैं या अपने गृह जिलों में हैं। महाराष्ट्र ने कुछ नगर निगम आयुक्तों और कुछ अतिरिक्त और उप नगर आयुक्तों के संबंध में निर्देशों का पालन नहीं किया था। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को सोमवार शाम छह बजे तक रिपोर्ट देने के निर्देश के साथ बीएमसी और अतिरिक्त एवं उपायुक्तों का स्थानांतरण करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव को महाराष्ट्र में समान रूप से पदस्थापित सभी नगर निगम आयुक्तों और अन्य निगमों के अतिरिक्त या उप नगर आयुक्तों को स्थानांतरित करने का भी निर्देश दिया गया। यह कदम मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की सोमवार को बैठक के बाद आया है।

अफसरों को हटाने की वजह

जिन अधिकारियों को हटाया गया है, उनके पास संबंधित राज्यों में मुख्यमंत्री के कार्यालय में दोहरे प्रभार थे, जो चुनावी प्रक्रिया के दौरान जरूरी निष्पक्षता, खासकर कानून व्यवस्था सुरक्षा बलों की तैनाती को लेकर भी समझौता कर सकते थे। महाराष्ट्र ने कुछ नगर आयुक्त और कुछ अतिरिक्त/उप नगर आयुक्त ने चुनाव आयोग के निर्देश नहीं माने थे। ये आदेश 16 मार्च को लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के वक्त दिए गए थे। आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव से नाराजगी जताते हुए उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त को आज शाम 6 बजे तक रिपोर्ट देने और अधिकारियों के ट्रांसफर करने का निर्देश दिया है।

नायब सैनी की सीएम पद पर नियुक्ति को चुनौती

- हाईकोर्ट ने केंद्र, विस अध्यक्ष समेत चुनाव आयोग से मांगा जवाब

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा में मुख्यमंत्री पद पर नायब सिंह सैनी की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर आज पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने मामले में हरियाणा सरकार, केंद्र सरकार, विधानसभा अध्यक्ष और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

एडवोकेट जगमोहन सिंह भट्टी ने याचिका में आरोप लगाया था कि नायब सिंह की मुख्यमंत्री के तौर पर नियुक्त नियमों के खिलाफ जाकर की गई है। हर शरण वर्मा बनाम उत्तर प्रदेश व अन्य मामले का हवाला देते हुए याची ने कहा कि राज्यपाल अनुच्छेद 164 के तहत राज्य की विधानसभा के बाहर के किसी व्यक्ति को मंत्री पद पर नियुक्त नहीं कर सकते हैं। सैनी अभी सांसद हैं और ऐसे में वह विधानसभा का हिस्सा नहीं है। इसके अतिरिक्त यह भी कहा कि हरियाणा की विधानसभा में 90 सीट हैं और यदि नायब सैनी को मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया जाता है तो यह संख्या बढ़ कर 91 हो जाएगी। याचिका में कहा गया कि सैनी की नियुक्ति संवैधानिक नियमों की अवहेलना कर की गई है। सैनी की नियुक्ति नहीं बल्कि इंस्टॉलेशन की गई है जिससे खुलेआम संविधान का मजाक उड़ाया गया है। इससे पहले 2019 में याची ने हरियाणा में उप मुख्यमंत्री पद पर दुष्यंत चौटाला की नियुक्ति को भी चुनौती दी थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रूख... चुनाव आयोग को दी हिदायत

एसबीआई को लगाई फटकार, दिया 72 घंटे का अल्टीमेटम, कहा-

21 तक साझा करें इलेक्टोरल बॉन्ड की पूरी जानकारी

- इलेक्टोरल बॉन्ड के नंबर भी बताएं; चेयरमैन हलफनामा दें कोई जानकारी नहीं छिपाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनावी चंदे के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड्स की जानकारी साझा करने को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने स्टेट बैंक से अगले तीन दिनों में बॉन्ड्स के यूनीक नंबर सहित सारी जानकारी निर्वाचन आयोग से साझा करने को कहा है। आयोग को हिदायत दी गई है कि बैंक से मिली जानकारी फौरन अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर आम जनता को सुलभ कराए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, बीआर गवई, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की संवैधानिक पीठ ने इलेक्टोरल बॉन्ड के यूनिक नंबर को लेकर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने नए आदेश में उन यूनीक बॉन्ड नंबर्स के खुलासे का भी आदेश दिया, जिनके जरिए बॉन्ड खरीदने वाले और फंड पाने वाली राजनीतिक पार्टी का लिंक पता चलता है।

एसबीआई को पूरा डेटा देने के लिए 21 मार्च तक का समय दिया है। साथ ही कहा कि आदेश के पालन पर हलफनामा देना होगा। साथ ही चुनाव आयोग को पूरा ब्यौरा प्रकाशित करने का भी ऑर्डर दिया है। इस मामले पर बैंक के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि हमने आदेश को जिस तरह समझा उसी तरह से उसका पालन किया। आपके आदेश और हमारे समझने में कोई गफलत हो गई होगी। हमने पूरी जानकारी तरतीब से साझा करने के लिए ही वक्त मांगा था।

आदेश का पूरा पालन करें

सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमने तो पिछली सुनवाई में एसबीआई को नोटिस जारी किया था। क्योंकि हमने आदेश में पूरी जानकारी देने को कहा था। लेकिन एसबीआई ने बॉन्ड नंबर नहीं दिया। एसबीआई पूरे आदेश का पालन करे। सभी बॉन्ड के यूनिक नंबर यानी अल्फा न्यूमेरिक नंबर निर्वाचन आयोग को मुहैया कराए। हम यह स्पष्ट करते हैं। हरीश साल्वे ने कहा कि जहांतक बॉन्ड के नंबर की बात है हमे कोई परेशानी नहीं है साझा करने में। हम दे देंगे। सीजेआई ने एसबीआई से पूछा कि आप किस फॉर्मेट पर इलेक्ट्रॉल बॉन्ड के डेटा को रखते है? एल्फा न्यूमेरिक रखने का क्या मतलब था? क्या ये सुरक्षा को लेकर था या कुछ और? अगर बॉन्ड को भुनाया जाता था तो ये कैसे पता चलता है की वो फेक नही है? इस पर साल्वे ने कहा कि हम धनराशि का पता लगाते हैं।

एसजी तुषार मेहता की दलील

सीजेआई ने पूछा कि अगर बॉन्ड को भुनाया जाता था तो ये कैसे पता चलता है की वो फेक नही है? एसजी तुषार मेहता ने कहा कि आपने फैसला दिया। लेकिन कोर्ट के बाहर कुछ दूसरी तरफ इसे अन्य ढंग से लिया जा रहा है। गंभीर मामला एसबीआई के अर्जी के बाद सामने आया। उसके पास प्रेस इंटरव्यू देना शुरू किया गया। सोशल मिडिया पर भी इसे अलग तरीके से चलाया गया। अगर किसी ने किसी को पैसा दिया तो उसके बाद सब उसे अपने अपने अपने तरीके से देखते हैं। मीडिया कैंपेन चलाया गया ताकि जजों को शर्मिंदा किया जा सके। इस पूरी मुहिम के पीछे हिडेन एजेंडा है। सीजेआई ने कहा कि हमने तो केवल कानून के हिसाब से फैसला दिया था। सीजेआई ने मुकुल रोहतगी को कहा की आप अभी बहस न करें। अभी आपके एसिस्टेंस की जरूरत नही है।

प्रशांत भूषण को सीजेआई की दो टूक

वहीं प्रशांत भूषण ने कहा कि अप्रैल 2019 में कोर्ट ने बॉन्ड्स से मिले चंदे पर राजनीतिक पार्टियों से जानकारी मांगी थी। केवल कुछ ही राजनीतिक दलों ने उसका डाटा साझा किया है। इस पर सीजेआई ने प्रशांत भूषण को कहा कि वो आराम से बहस करें। ये संविधान पीठ है। फिर सीजेआई ने कहा कि अगर आप 2018 की बात करेंगे तो वो उस फैसले की समीक्षा होगी जो हम नही करने जा रहे है। हम यहां पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई के लिए नही बैठे हैं। प्रशांत भूषण ने बोलना शुरू किया तो स्त्र ने फिर टोकते हुए कहा कि भविष्य में पीआईएल दाखिल करने के लिए प्रशांत बहस करना चाहते हैं। प्रशांत भूषण ने कहा कि बॉन्ड की खरीदारी 12 अप्रैल 2019 से पहले हुई होगी और उसे बाद में भुनाया गया। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने फिर प्रशांत भूषण को टोका। सीजेआई ने चुनावी बांड की जानकारी मांगने वाले आदेश को 12 अप्रैल 2019 से पहले बढ़ाने से इनकार करते हुए कहा कि हमने सोच-समझकर 12 अप्रैल 2019 की कट ऑफ डेट दी थी। अगर हम उससे पहले जाएंगे तो यह ऑर्डर की समीक्षा करने जैसा होगा। तो उसे अंतिम तिथि होने दीजिए क्योंकि तभी अंतरिम आदेश पारित किया गया था। उसके बाद सभी को नोटिस में लाया गया था।

पहले की जानकारी मांगने वाली अर्जी खारिज

इस दलील के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 12 अप्रैल 2019 से पहले की जानकारी मांगने वाली अर्जी खारिज कर दी। सीजेआई ने कहा कि अगर जानकारी मांगते है तो हमारे ही पिछले फैसले की समीक्षा जैसा होगा। लेकिन यहां अभी ऐसी कोई अर्जी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि 15 फरवरी को ही हमने अपने फैसले मे कहा था कि एसबीआई सभी जानकारी मुहैया कराए। और इस बाबत एक हलफनामा भी दाखिल करना होगा। चुनाव आयोग के पास एसबीआई से जैसे ही जानकारी आती है वो अपनी वेबसाइट पर उसे अपलोड करे।

मोदी जी को मेरी बात अच्छी नहीं लगती

शक्ति वाले बयान पर राहुल बोले- मेरी बात का बदला अर्थ

नई दिल्ली(ईएमएस)। राहुल गांधी की न्याय यात्रा का मुंबई के शिवाजी पार्क में समापन हुआ। इस दौरान कई इंडी गठबंधन में शामिल विपक्षी दल इसमें शामिल हुए। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में हिंदू धर्म की शक्ति का इस्तेमाल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया। पीएम मोदी ने शक्ति शब्द को पकडक़र तेलंगाना की चुनावी रैली में राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। खुद को घिरते हुए देखकर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर खुद का बचाव किया है।

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी को मेरी बातें अच्छी नहीं लगतीं। वह किसी न किसी तरह उन्हें घुमाकर वह उनका अर्थ हमेशा बदलने की कोशिश करते हैं, क्योंकि वह जानते हैं कि मैंने एक गहरी सच्चाई बोली है। जिस शक्ति का मैंने उल्लेख किया, जिस शक्ति से हम लड़ रहे हैं, उस शक्ति का मुखौटा मोदी जी हैं।

किसान कर रहा आत्महत्या

उन्होंने आगे कहा कि वह एक ऐसी शक्ति है, जिसने आज, भारत की आवाज को, भारत की संस्थाओं को, सीबीआई, आईटी, ईडी को, चुनाव आयोग को, मीडिया को, भारत के उद्योग जगत को, और भारत के समूचे संवैधानिक ढांचे को ही अपने चंगुल में दबोच लिया है। उसी शक्ति के लिए नरेंद्र मोदी जी भारत के बैंकों से हजारों करोड़ के कर्ज माफ कराते हैं, जबकि भारत का किसान कुछ हजा रुपयों का कर्ज न चुका पाने पर आत्महत्या करता है।

देश की मीडिया दबा रही सच्चाई

उन्होंने कहा कि उसी शक्ति को भारत के बंदरगाह, भारत के हवाई अड्डे दिये जाते हैं, जबकि भारत के युवा को अग्निवीर का तोहफा दिया जाता है, जिससे उसकी हिम्मत टूट जाती है। उसी शक्ति को दिन रात सलामी ठोकते हुए देश की मीडिया सच्चाई को दबा देती है।

मैंने नहीं किया धार्मिक शक्ति का जिक्र

उन्होंने कहा कि उसी शक्ति के गुलाम नरेंद्र मोदी जी देश के गरीब पर त्रस्ञ्ज थोपते हैं, महंगाई पर लगाम न लगाते हुए, उस शक्ति को बढ़ाने के लिए देश की संपत्ति को नीलाम करते हैं। उस शक्ति को मैं पहचानता हूं, उस शक्ति को नरेंद्र मोदी जी भी पहचानते हैं, वह किसी प्रकार की कोई धार्मिक शक्ति नहीं है, वह अधर्म, भ्रष्टाचार और असत्य की शक्ति है। इसलिए जब जब मैं उसके खिलाफ आवाज उठाता हूं, मोदी जी और उनकी झूठों की मशीन बौखलाती है, भडक़ जाती है।

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीटों का बंटवारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीटों का बंटवारा हो गया है। बीजेपी 17 सीटों पर चुनाव में उतरेगी वहीं जदयू को 16 सीटें गठबंधन के तहत मिले हैं। बिहार एनडीए में 5 दलों को जगह दी गयी है। चिराग पासवान की पार्टी को 5 सीट, जीतन राम मांझी की पार्टी को एक सीट और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को भी एक सीट मिली है। केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की पार्टी को एनडीए की तरफ से एक भी सीट नहीं दी गयी है। लंबे समय से हाजीपुर सीट को चल रहे विवाद के बाद हाजीपुर की सीट चिराग पासवान के खाते में गयी है।

बीजेपी औरंगाबाद, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, उजियारपुर, बेगूसराय, नवादा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण से चुनाव लड़ेगी।

जदयू बाल्मिकीनगर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा, गोपालगंज, सिवान, भागलपुर, बांका, मुंगेर, नालंदा, जहानाबाद और शिवहर से चुनाव लड़ेगी।

लोजपा रामविलास के उम्मीदवार वैशाली, हाजीपुर,समस्तीपुर, खगड़िया, जमुई से लड़ेंगे लोकसभा चुनाव। जीतन राम मांझी की पार्टी हम के खाते में गया की सीट गयी है।

उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को भी महज एक सीट से ही संतोष करना पड़ा है। कुशवाहा की मांग 3 सीटों की थी। 2014 के चुनाव में एनडीए में रहते हुए उन्हें तीन सीटें मिली थी। 2019 के चुनाव में वो महागठबंधन में शामिल हो गए थे।

केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस लंबे समय से अपनी पार्टी को ही असली लोजपा बताते रहे थे। उनकी मांग थी कि उन्हें एनडीए की तरफ से 5 सीटें दी जाए। हालांकि एनडीए की तरफ से उन्हें एक भी सीट नहीं दी गयी। चर्चा यह है कि पशुपति पारस को राज्यपाल बनने का ऑफर बीजेपी की तरफ से दिया गया है। वहीं मुकेश सहनी भी लंबे समय से एनडीए से सीट हासिल करने की जुगत में बताए जा रहे थे। हालांकि उनकी पार्टी की एनडीए में एंट्री नहीं हो पायी।

टैक्स वसूल करने में सरकार ने बनाया रिकॉर्ड

15 मार्च तक 18।95 लाख करोड़ की वसूली

नई दिल्ली (ईएमएस)। डायरेक्ट ओर इनडायरेक्ट टैक्स में सरकार ने अभी तक की रिकॉर्ड कमाई की है। वित्त वर्ष में सरकार नया रिकार्ड बनाने जा रही है। सरकार ने वर्ष 2023-24 में 15 मार्च तक 18.95 लाख करोड रुपए का डायरेक्ट टैक्स वसूल किया है। पिछले वर्ष में यह टेक्स 15.80 लाख करोड़ था। केंद्र सरकार ने डायरेक्ट टैक्स में के रूप में 18.23 लाख करोड रुपए का प्रावधान किया था। चालू वित्तीय वर्ष में ज्यादा टैक्स वसूल होने के कारण अब इस लक्ष्य को बढ़ाकर सरकार ने 19।45 लाख करोड़ कर दिया है।

व्यक्तिगत आयकर में 27 फ़ीसदी की ग्रोथ

आयकर में सरकार को व्यक्तिगत कर के रूप में 26.91 फ़ीसदी लक्ष्य से ज्यादा आयकर प्राप्त हुआ है। पिछले साल यह 13.97 फ़ीसदी था।सबसे ज्यादा डायरेक्ट टैक्स की वसूली महाराष्ट्र,दिल्ली, गुजरात, तमिलनाडु से आयकर की 70 फ़ीसदी आय हुई है। आयकर भरने वालों में सबसे ज्यादा पांच राज्य हैं।

इनडायरेक्ट टैक्स के रूप में जिसमें जीएसटी आता है।उसमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले राज्य हैं। इनडायरेक्ट टैक्स में एक्साइज, कस्टम डयूटी और जीएसटी शामिल है। डायरेक्ट टैक्स में आयकर आता है। इसमें पर्सनल और कॉरपोरेट टैक्स की वसूली सरकार करती है। 2013-14 में सरकार का नेट कलेक्शन 6.39 लाख करोड़ था। 2014-15 में यह 6.96 लाख करोड़ था। 2015-16 से टैक्स कलेक्शन सबसे ज्यादा बढ़ना शुरू हुआ। अब टैक्स के रूप में 2023-24 में सरकार ने जनता से 19.45 लाख करोड रुपए वसूल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें से 15 मार्च तक 18.95 लाख करोड़ वसूल भी हो चुकी है।

पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को झटका, कोर्ट ने सभी याचिकाएं रद्द कर कहा- आज ही करें सरेंडर

नई दिल्ली(ईएमएस)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सभी याचिकाएं रद्द करते हुए जैन से कहा कि आप आज ही सरेंडर कर दें। सत्येंद्र जैन के अलावा मामले में सह आरोपी अंकुश जैन और वैभव जैन की भी जमानत याचिकाएं खारिज हो गई हैं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में सत्येंद्र जैन को मई 2022 में ईडी ने गिरफ्तार किया था। बता दें कि साल 2018 में ईडी ने इस मामले में सत्येंद्र जैन से पूछताछ की थी। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 22 मई 2022 में उनकी गिरफ्तारी का विरोध भी किया था। इसके बाद 26 मई, 2023 को सत्येंद्र जैन को खराब स्वास्थ्य के आधार पर जमानत मिल गई थी। तबसे वह इलाज करा रहे हैं। आप नेता के खिलाफ सीबीआई ने 2017 में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत एफआईआर फाइल की थी। इस एफआईआर में सत्येंद्र जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। एफआईआर के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग चार कंपनियों के जरिये की गई जो सीधा सत्येंद्र जैन से जुड़ी हैं। कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर उन्हें करीब नौ महीने पहले अंतरिम जमानत दी थी। हालांकि कोर्ट ने उन पर इस मामले से जुड़े गवाहों, शिकायतकर्ताओं आदि पर प्रभाव का इस्तेमाल करने, उनसे और मीडिया से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क करने, राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने जैसी कई तरह की पाबंदियां भी लगाई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई 2023 को सत्येंद्र जैन को इलाज के लिए अंतरिम जमानत पर छह हफ्ते के लिए न्यायिक हिरासत से छोड़ा था। समय-समय पर बढ़ते हुए अब इस अवधि को नौ महीने से भी ज्यादा वक्त हो गया है।

कर्नाटक के शिवमोगा में रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले - इंडी अलायंस की लड़ाई शक्ति के खिलाफ

मेरे लिए हर मां-बेटी शक्ति का रूप, इनकी रक्षा में जान की बाजी लगा दूंगा

हैदराबाद/चेन्नई (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को तीन राज्यों तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के दौरे पर रहे। तेलंगाना के जगतियाल में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने 17 मार्च की इंडी अलायंस की रैली का जवाब दिया। मोदी ने कहा कि मुंबई में ईडी अलायंस की रैली में उन्होंने अपना घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें कहा गया है कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। मेरे लिए तो हर मां-बेटी शक्ति का रूप है। मैं इनको शक्ति के रूप में पूजता हूं और इनकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगा दूंगा।

पीएम ने कर्नाटक के शिवमोगा में भी कहा- ईडी अलायंस के लोग हिंदू धर्म में समाहित शक्ति को समाप्त करना चाहते हैं। हिंदू समाज जिन्हें शक्ति मानता है, उस शक्ति के विनाश का ऐलान कर दिया है। अगर शक्ति विनाश का उनका ऐलान है, तो शक्ति उपासना का मेरा भी ऐलान है। मोदी ने आगे कहा- कई राजनीतिक जानकार कहते रहे हैं कि नारी शक्ति मोदी की साइलेंट वोटर है। लेकिन मेरे देश की नारी शक्ति वोटर नहीं, बल्कि मां शक्ति स्वरूपा है।

परिवारवाद-भ्रष्टाचार पर हमला

मोदी ने कहा-एक ओर वो कांग्रेस पार्टी है, जिसने तेलंगाना के सपनों को कुचला। दूसरी ओर बीआरएस है, जिसने यहां के लोगों की भावनाओं का इस्तेमाल किया, सत्ता पाई और बाद में जनता से ही विश्वासघात किया। तेलंगाना निर्माण के पहले 10 वर्षों तक बीआरएस ने तेलंगाना को जमकर लूटा। अब कांग्रेस ने तेलंगाना को एटीएम स्टेट बना लिया है। परिवारवादियों का पूरा इतिहास उठाकर देख लीजिए। देश में जितने भी बड़े घोटाले हुए हैं, उनके पीछे कोई न कोई परिवारवादी पार्टी ही मिलेगी। बीआरएस और कांग्रेस एक दूसरे के लिए चाहे कितनी भी कवर फायर कर लें, इनकी एक एक लूट का हिसाब होता रहेगा। मोदी, तेलंगाना के लोगों को लूटने वालों को छोड़ेगा नहीं। ये मोदी की गारंटी है।

गुनाह कबूल कर एल्विश ने सभी को चौंकाया

-पार्टियों में सांपों और उनके जहर की सप्लाई का मामला

नोएडा,(ईएमएस)। नोएडा पुलिस ने एल्विश को पूछताछ के लिए रविवार को बुलाया था और उसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसी बीच खबर आई कि बिग बॉस विजेता और मशहूर यूटयूबर एल्विश यादव ने पुलिस के समक्ष अपने गुनाह कबूल कर लिए हैं। यहां एल्विश की याचिका पर आज सोमवार को कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी है।

जानकारी अनुसार बिग बॉस विजेता और मशहूर यूटयूबर एल्विश यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गौरतलब है कि नोएडा पुलिस ने रविवार को एल्विश को पूछताछ के लिए बुलाया था। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसे में खबर यह है कि पुलिस के सामने एल्विश ने गुनाह कबूल कर लिया है। कहा जा रहा है कि एल्विश मान चुका है कि उसने ही सांपों का जहर मंगवाया और पार्टी में पहुंचवाया है। इसके अलावा एल्विश अन्य आरोपियों के संपर्क में भी था। बड़ी खबर यह है कि नोएडा में वकीलों की हड़ताल के चलते एल्विश की याचिका पर आज सोमवार को कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी।

सूत्रों की मानें तो एल्विश पुलिस के सवालों में उलझ गया और उसने स्वीकार कर लिया कि वह कुछ लोगों के संपर्क में रहा। उसने सांप और जहर की बात को भी कबूल कर लिया है। इससे पहले पुलिस द्वारा फार्म हाउस पार्टी का ब्यौरा और एल्विश की लोकेशन और सीडीआर दिखाया गया था। नोएडा पुलिस ने उसके खिलाफ 29एनडीचीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यदि यह साबित हो जाता है तो आरोपी को कम से कम 20 साल की सजा हो सकती है। इस एक्ट में जमानत मिलना भी आसान नहीं होता है।

यहां बतलाते चलें कि एल्विश को नोएडा पुलिस की टीम ने रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया था। पूछताछ के फौरन बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश करने के लिए सूरजपुर कोर्ट ले जाया गया, जहां से सुनवाई उपरांत उसे ग्रेटर नोएडा कारागार में भेज दिया गया।

पाक फौज की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक

काबुल/इस्लामाबाद (ईएमएस)। अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी फौज ने 17 और 18 मार्च की दरमियानी रात उसके दो इलाकों पर एयरस्ट्राइक की। इसमें आठ लोग मारे गए। दूसरी तरफ, पाकिस्तान की तरफ से जो बयान जारी किया गया है, उसमें अफगानिस्तान शब्द का इस्तेमाल तक नहीं किया गया। इस बयान में कहा गया- इंटेलिजेंस इनपुट के बेस पर कार्रवाई की गई। वजीरिस्तान के कुछ इलाकों में यह ऑपरेशन हुआ। इसमें एक आतंकी कमांडर समेत 8 लोग मारे गए।

बिहार में सीट बंटवारा दो-तीन दिन में - तेजस्वी यादव

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के सहयोगियों के बीच बिहार के लिए सीटों का बंटवारे पर अगले कुछ दिनों में मुहर लग जाएगी। मुंबई के शिवाजी पार्क में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस (इंडिया) द्वारा आयोजित एक रैली में भाग लेने के बाद राजद नेता ने कहा कि ज्यादातर मुद्दों को सुलझा लिया गया है और केवल एक या दो सीटों पर मुद्दे बचे हैं।

तेजस्वी यादव ने संवाददाताओं को बताया, ''दो-तीन दिन में सब कुछ तय हो जाएगा। यह अंतिम चरण में है। एक-दो सीटों को लेकर कुछ मुद्दे हैं, लेकिन सब कुछ सुलझा लिया जाएगा।'' राजद, कांग्रेस, वामपंथी दल और कुछ अन्य छोटे दल लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से मुकाबला करने के लिए सीटों के बंटवारे पर बातचीत कर रहे हैं।

फिर सामने आया हिंडनबर्ग पार्ट-2 , अडानी समूह के शेयर हुए लाल

मुंबई (ईएमएस)। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन सोमवार को अडानी समूह के सभी स्टॉक्स में आज गिरावट दर्ज की गई है। अडानी के शेयरों में यह गिरावट अमेरिका में ग्रुप के खिलाफ घूसखोरी के आरोपों की जांच शुरू होने के बाद आई है। 15 मार्च को एक रिपोर्ट में बताया था कि अडानी ग्रुप के खिलाफ यूएस ऑफिस और न्याय विभाग की फ्रॉड यूनिट जांच कर रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये जांच रिश्वतखोरी के एक आरोप को लेकर शुरू की गई है। ये पूरा मामला एक एनर्जी प्रोजेक्ट से जुड़ा बताया जा रहा है। अधिकारी ये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि अडानी समूह या इससे जुड़े लोग एक एनर्जी प्रोजेक्ट में मन मुताबिक, काम करवाने के लिए रिश्वत देने में तब नहीं शामिल थे। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन कर जांच को लेकर कोई भी जानकारी होने से इंकार किया है।

इसके पहले बीते वर्ष अमेरिका की एक शॉर्ट सेलिंग कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' ने अडानी ग्रुप के खिलाफ एक रिसर्च पेपर जारी किया था। इससे अडानी समूह को काफी नुकसान झेलना पड़ा था। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह पर अपने स्टॉक्स के प्राइस के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था।

पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बने

मास्को (ईएमएस)। व्लादिमिर पुतिन लगातार 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बन गए हैं। 15-17 मार्च को हुई वोटिंग में पुतिन को 88 प्रतिशत वोट मिले। उनके विरोधी निकोले खारितोनोव को 4 प्रतिशत वोट मिले। व्लादिस्लाव दावानकोव और लियोनिद स्लटस्की तीसरे और चौथे नंबर पर रहे।

रिजल्ट घोषित होने के बाद पुतिन ने कहा- अब रूस और भी ज्यादा ताकतवर और प्रभावशाली बनेगा। उन्होंने रूस-नाटो विवाद को लेकर भी चर्चा की। कहा- अगर अमेरिकी नेतृत्व वाला सैन्य संगठन नाटो और रूस आमने-सामने हुए तो दुनिया तीसरे विश्व युद्ध से एक कदम दूर होगी। मुझे नहीं लगता की कोई भी ऐसा कुछ चाहेगा।

पहली बार 2000 में रूस के राष्ट्रपति बने

पुतिन पहली बार साल 2000 में रूस के राष्ट्रपति बने थे। वो 2008 तक इस पद पर रहे। 2012 में तत्कालीन राष्ट्रपति मेदवेदेव ने अपनी पार्टी से पुतिन को एक बार फिर प्रेसिडेंट कैंडिडेट के लिए नॉमिनेट करने को कहा। इसके बाद 2012 के चुनाव में पुतिन ने जीत हासिल की और वो सत्ता में लौट आए। तब से अब तक वो राष्ट्रपति पद पर हैं।

नई आबकारी नीति से लाभ उठाने के लिए के।कविता ने केजरीवाल, सिसोदिया के साथ मिलकर साजिश रची

नई दिल्ली (ईएमएस)। आबकारी नीति मामले में ईडी की जांच में आरोपी के। कविता के साथ केजरीवाल का नाम भी जुड़ा है। के कविता की गिरफ्तारी को लेकर ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि नई आबकारी नीति से लाभ उठाने के लिए के।कविता ने आप पार्टी के नेताओं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर साजिश रची थी।

नई आबकारी नीति से निजी लाभ पाने की एवज में आप पार्टी नेताओं तक 100 करोड़ रुपये पहुचाये गए। साजिश के तहत नई शराब नीति में होलसेलर्स के जरिये लगातार रिश्वत का पैसा आप पार्टी तक पहुंचाया जाता रहा। साजिश के तहत साउथ लॉबी द्वारा एडवांस में दी गयी करोड़ों रुपये की रिश्वत को शराब पर प्रॉफिट मार्जिन बढ़ाकर वसूलना और इस नीति से दोगुना मुनाफा कमाना था।

दिल्ली सरकार नवंबर 2021 में राजधानी के शराब विक्रेताओं के लिए एक नई नीति लेकर आई थी। नई नीति के तहत सरकारी दुकानों की बजाय शराब के स्टोर बेचने के लिए प्राइवेट पार्टियों को लाइसेंस के लिए आवेदन करने की परमिशन दी गई थी। दिल्ली सरकार का कहना था कि नई नीति लाने से शराब की कालाबाजारी रुकेगी, दिल्ली सरकार का राजस्व बढ़ेगा और ग्राहकों को फायदा होगा। केजरीवाल सरकार की नई नीति में शराब की दुकानों को आधी रात के बाद भी खुले रहने की परमिशन दी गई थी। शराब विक्रेताओं को बिना किसी लिमिट के डिस्काउंट देने की भी परमिशन दी गई थी। नई नीति आने के बाद कई निजी शराब दुकानों की बिक्री में बढ़ोतरी देखी गई और दिल्ली सरकार ने कलेक्शन में 27 प्रतिशत की वृद्धि का दावा किया था।

जन हितैषी

चुनावी बांड की जानकारी देने मे स्टेट बैंक की आनाकानी

सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद भी स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया चुनावी बांड की जानकारी देने में लगातार आनाकानी कर रहा है। स्टेट बैंक द्वारा चुनाव आयोग को अभी तक यूनिक नंबर की जानकारी नहीं दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इस मामले में फिर से सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक को कड़े शब्दों में कहा, चुनावी बांड से संबंधित सभी जानकारी सार्वजनिक करें।राजनीतिक दलों द्वारा भी चुनावी बांड से मिले चंदे की जानकारी पूरी तरह से नहीं दी जा रही है। द्रमुक, अन्नाद्रमक

राकापा, जनता दल जैसी क्षेत्रीय पार्टियों ने जरूर बांड से मिले चंदे की जानकारी दी है। अन्य राजनीतिक दल जिसमें भारतीय जनता पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने कुछ जानकारी तो दी है। उन्हें चुनावी बांड से कितना चंदा मिला है। किसने कितना चंदा दिया है, इसकी जानकारी उजागर नहीं की है। अभी तक स्टेट बैंक द्वारा यूनिक कोड की जानकारी नहीं दिए जाने से चुनाव चंदा किस पार्टी को किससे मिला है। इसका मिलान नहीं किया जा सका है। कांग्रेस ने इस बारे में कहा है, कि स्टेट बैंक आफ इंडिया ही यह जानकारी देने में सक्षम है। जिन्होंने कांग्रेस को बांड से चंदा दिया है। उन्होंने अपना नाम उजागर नहीं किया है। भारतीय जनता पार्टी ने भी लोक प्रतिनिधित्व कानून 1951 और आयकर अधिनियम की धारा 1960 के तहत चुनावी चंदा मिला है। उनसे भी जानकारी देने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को चुनावी बांड से मिली जानकारी को साझा करने के निर्देश जारी किए थे। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जो जानकारी चुनाव आयोग को उपलब्ध कराई गई है। वह टुकड़े-टुकड़े में होने, तथा आधी अधूरी होने से चुनावी बांड से संबंधित पूरी जानकारी निकलकर सामने नहीं आ पा रही है। स्टेट बैंक द्वारा जो जानकारी बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट को दी गई थी। स्टेट बैंक ने अब उसे उजागर कर दिया है। उस जानकारी को चुनाव आयोग ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। भारत में 523 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं। उसमें से एक दर्जन राजनीतिक दलों को ही चुनावी बांड से चंदा मिला है। गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने चुनाव चंदे की जानकारी चुनाव आयोग के साथ साझा की है। पंजीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक दलों ने इस मामले में अभी भी आनाकानी की जा रही है। चुनाव आयोग द्वारा 17 मार्च रविवार को चुनावी बांड और उसके बारे में राजनीतिक दलों से किए गए पत्र व्यवहार का ब्यौरा सार्वजनिक कर दिया है। 2017 से लेकर अभी तक चुनावी चंदे को लेकर जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी। अब वह धीरे-धीरे साफ होती नजर आ रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर स्टेट बैंक द्वारा जब बांड के यूनिक नंबर की जानकारी उजागर कर दी जाएगी। उसके बाद सारी स्थितियां स्पष्ट हो सकेगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी जिस तरह से स्टेट बैंक जानकारी देने में आनाकानी कर रहा है। यह आश्चर्यजनक है। सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक अवमानना मामले में स्टेट बैंक के ऊपर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करने के कारण, स्टेट बैंक जानकारी देने में तरह-तरह के खेल कर रहा है। इससे सुप्रीम कोर्ट की साख पर भी असर पड़ रहा है। लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। चुनावी चंदे का जो पिटारा खुला है। वह मतदाताओं पर क्या असर डालता है। राजनीतिक दलों पर इसका क्या असर पड़ेगा। अभी यह कहना मुश्किल है ।चुनावी चंदे ने मतदाताओं के सामने चुनावी बांड के चंदे के इस खेल को जरूर उजागर कर दिया है। यह इसी तरह का कृत्य है जैसे कृष्ण भगवान गो?पियों की मटकी से मक्कन चोरी करके खाते थे। जब ?शिकायत होती थी, तब कृष्ण मैय्या से कहते थे, मां मैंने माखन नहीं खायो। गो?पिकायें झूठ बोल रही हैं। यही भाजपा का हाल है। लगता है स्टेट बैंक सरकार के डर दबाव में काम कर रहा है। एक और सुप्रीम कोर्ट का दबाव है। दूसरी ओर सरकार का दबाव बना हुआ है। इस मामले में सबसे ज्यादा मुसीबत स्टेट बैंक की ही होने जा रही है। जल्द ही सुप्रीम कोर्ट का डंडा स्टेट बैंक पर चलना तय माना जा रहा है।

इधर टिकट कटी, उधर पोस्टर से फोटो हटी...

(कहो तो कह दूं)

मध्य प्रदेश के बालाघाट लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन साहेब इन दोनों बहुत ज्यादा दुखी हैं और उनके दुखी होने के दो कारण है पहला कि पार्टी ने उनकी टिकिट काट दी और दूसरा ये कि उनकी जगह जिस महिला प्रत्याशी को टिकट मिला उसके सम्मान में शहर में जो पोस्टर और होर्डिंग लगाए गए थे उसमें से अपने बिसेन साहब की फोटो गायब थी जबकि पोस्टर में पार्षदों तक की फोटुए खिलखिला रही थी। अपनी इस उपेक्षा से बेहद दुखी मन से बिसेन साहब ने एक ट्वीट किया है कि मेरा फोटो हटा दिया गया । इतने बरस हो गए बिसेन जी को राजनीति करते-करते उन्हें इतनी सी बात समझ में नहीं आई कि ये तो राजनीति है जब तक आप पोस्ट पर हो तब तक आपकी जय जय कार है और जिस दिन पद से हटे उस दिन से आप आम आदमी बन जाते हो, लेकिन दिक्कत ये है कि जो नेता एक बार किसी पद पर पहुंच जाता है तो फिर उसे जय जय कार करवाने की, होर्डिंग्स और बैनर में फोटो छपवाने की लालसा जिंदगी भर के लिए बन जाती है फिर चाहे वह पद पर रहे ना रहे। ढाल सिंह बिसेन साहब तो फिर भी सांसद थे दूर क्यों जाते हो अपने मामा जी को ही देख लो सत्रह साल तक मध्य प्रदेश में राज किया लेकिन जैसे ही मुख्यमंत्री बदले तमाम होर्डिंग्स और पोस्टरों से मामा जी की तस्वीर गायब हो गई और उन्हें कहना पड़ा कि मेरी फोटो ऐसी गायब हुई जैसे गधे के सर से सींगतो ये तो राजनीति का स्वभाव है इधर आपकी टिकट कटी उधर पोस्टर से आपकी फोटो हटी इसमें दुखी होने की क्या बात है? बहुत साल मजे कर लिए सत्ता में रहने के अब यदि टिकट नहीं मिल पाई तो इतना रंज किस बात का, ये तो दुनिया का उसूल है कि उगते सूरज को सब सलाम करते हैं और जब सूरज ढलता है तो लोग उस पर नजर भी नहीं डालते ढाल सिंह बिसेन जी आप भी ढलता सूरज हो इसलिए अब आपकी तरफ कोई नहीं देखेगा समझ लो जितने दिन किस्मत ने साथ दिया था इतने दिन सत्ता का सुख भोग लिया अब दूसरों को मौका भी तो मिलना चाहिए लेकिन दिक्कत ये है कि राजनीति का कीड़ा जिसके अंदर एक बार घुस जाता है फिर उसको निकालना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन हो जाता है वही कीड़ा आपके अंदर घुसा हुआ है जो आपको भीतर ही भीतर कचोट रहा है लेकिन अब हाथ में कुछ है नहीं, ज्यादा से ज्यादा दुखी हो सकते हो एकाध बयान दे सकते हो, ट्वीट कर सकते हो इसके अलावा और कुछ आपके बस में है नहीं। उमा भारती को देख लो जिनके दम पर मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को जबरदस्त जीत मिली थी उनके क्या हाल है बेचारी तरह-तरह के बयान दे कर अपने वजूद को बरकरार रखने की कोशिश करती है लेकिन कोई गंभीरता से लेता ही नहीं है, आप भी ये सोच लो कि आपका समय गया जितनी जल्दी ये समझ लोगे तो शायद दुखी नहीं होगे और फिर दुखी होने से ऐसा तो है नहीं कि फिर से होर्डिंग्स और पोस्टर में चमकने लगो अपनी तो एक ही सलाह है की साहेब जी अब पुराने दिन भूल जाओ और एक साधारण आदमी की तरह जिंदगी गुजारो उसी में आपका फायदा है।

बिश्नोई जी को गुस्सा क्यों आता है

कुछ बरस पहले नसीरुद्दीन शाह अभिनीत एक फिल्म आई थी जिसका नाम था अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है पिछले कुछ लंबे समय से अपने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय बिश्नोई अल्बर्ट पिंटो बन चुके हैं शिवराज सरकार में महाकौशल की उपेक्षा को लेकर उन्होंने कई बयान दिए थे मसलन महाकौशल फड़फड़ा सकता है उड़ नहीं सकता अब उनका एक बयान इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त रूप से वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने चंडीगढ़ के एक अस्पताल में अपना इलाज करवाते वक्त जारी किया था जिसमें उन्होंने जबलपुर लोकसभा के लिए तय किए गए भाजपा के वर्तमान प्रत्याशी आशीष दुबे की उम्मीदवारी पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि पार्टी के निर्णय का स्वागत है हमें यह भूलना होगा कि हमारे चुनाव में आशीष जी ने पार्टी के विरोध में काम किया था यानी इशारे इशारे में उन्होंने आशीष दुबे की उम्मीदवारी पर अपना गुस्सा जाहिर कर दिया था भले ही आशीष दुबे उन्हें अपना वरिष्ठ मानते हुए उनके बयान से कन्नी काट रहे हो लेकिन पार्टी में इस बात को लेकर बड़ी चर्चा है। वैसे इस बात के लिए अजय भैया की हिम्मत की दाद तो देना ही पड़ेगा कि जिस भारतीय जनता पार्टी में कोई इतनी हिम्मत नहीं करता कि वो पार्टी के निर्णय के खिलाफ कोई बयान दें ऐसे में अजय भैया ने अपना गुस्सा निकाल कर दिखा दिया कि उन्हें जो सही लगता है वे बयां कर देते हैं पार्टी उनके साथ क्या करती है यह अलग बात है लेकिन पार्टी के भीतर इस बात को लेकर चर्चा जरूर है की अजय भैया इतने गुस्सैल आखिर कैसे हो गए हैं।

इसमें तो फर्स्ट आ गए

लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने जो तिथियां घोषित की हैं उसके हिसाब से पूरे जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं को चुनाव आयोग का बार-बार धन्यवाद अदा करना चाहिए कि कम से कम उसने मतदान में तो जबलपुर को नंबर वन पर रख दिया वरना जबलपुर तो हर चीज में पिछड़ा ही माना जाता है चाहे वह विकास का मुद्दा हो, उद्योगों की स्थापना की बात हो, सफाई का मसला हो, राजनेतिक प्रतिनिधित्व की बात हो ,हवाई उड़ानों का मामला हो हर जगह जबलपुर फिसड्डी रह जाता है लेकिन मतदान में जबलपुर को जो पहला नंबर मिला है उसको लेकर पूरी संस्कारधानी हर्षित है यहां के नागरिकों को लग रहा है कि कम से कम इस मामले में तो जबलपुर अव्वल आ गया ,ये बात अलग है कि इसमें ना तो लोगों का कोई हाथ है ना यहां के जनप्रतिनिधियों का। अपने को तो लगता है कि जबलपुर की उपेक्षा का मसला और उसके फिसड्डी होने की खबर जरूर चुनाव आयोग के पास पहुंची होगी और उनको लगा होगा कि चलो एक बार इसी बहाने जबलपुर को नंबर वन तो बना दें इसी में यहां के लोग खुश हो जाएंगे और सही बात भी है पहले चरण के चुनाव में जब से जबलपुर का नाम आया है तब से हर जबलपुर वासी की छाती 56 इंच की हो गई है और वह कहता फिर रहा है कि लोग कहते थे जबलपुर फिसड्डी है अब देखो वोट डालने में सबसे पहला नंबर जबलपुर का ही है अपनी तरफ से भी चुनाव आयोग और उनके आयुक्त को बार-बार धन्यवाद, आभार, शुक्रिया कि कहीं तो उन्होंने जबलपुर की लाज रख ली।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

श्रीमती जी श्रीमान जी को डॉक्टर के पास ले गई...

.डॉक्टर ने कहा - इन्हें अच्छा खाना दो, हमेशा खुश रखो,घर की कोई परेशानी इनसे डिसकस मत करो,

फालतू की फरमाइशें करके इनकी चिंता मत बढ़ाओ तो ये छह महीने में बिल्कुल ठीक हो जाएंगे...!

रास्ते में श्रीमान जी ने श्रीमती जी से पूछा - क्या कहा डॉक्टर ने...?

-कुछ नहीं डॉक्टर ने भी जवाब दे दिया है श्रीमती जी ने उत्तर दिया।

(लेखक- चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

तो चौकीदार नहीं हमारी ईवीएम चोर है....

तीन कम नब्बे के डॉ फारुख अब्दुल्ला यदि झूठ बोलें तो उन्हें कौआ काटे। फारुख साहब का कहना है कि दरअसल चोर तो हमारी ईवीएम है, इसलिए आम चुनाव में जब वोट डालें तो ईवीएम को ठोक - बजाकर देख जरूर लें।पर्चियों का मिलान कर लें ,अपने वोट की रक्षा कारण क्योंकि वोट है आपका । खानदानी नेता डॉ फारुख अब्दुल्ला तजुर्बेकार नेता भी हैं। रंगीन तबियत के हंसमुख नेता हैं। प्रगतिशील हैं, धर्मनिष्ठ और धर्मनिरपेक्ष नेता हैं। मुझे निजी तौर पर पसंद हैं। मोदी जी से ज्यादा, फारुख साहब पसंद हैं, अलवत्ता वे प्रधानमंत्री नहीं हैं। राष्ट्रपति नहीं है। अब होंगे भी नहीं। वैसे उन्होंने प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब तो जरूर देखा होगा। भले ही वे प्रधानमंत्री नहीं बने लेकिन वे देश के किसी भी प्रधानमंत्री से ज्यादा चर्चित और लोकप्रिय नेता हैं। सलीकेदार हैं। किसी को अछूत नहीं मानते।

ईवीएम को चोर कहना उतना ही बड़ा दुस्साहस है जितना कि किसी चौकीदार को चोर कहना है। हमारे यहां मिस्टर क्लीन की छवि के एक प्रधानमंत्री राजीव गांधी को भी इस देश में चोर कहा गया। हालांकि राजीव गांधी को चोर कहने वाले लोग इलेक्टोरल बांड के जरिए 60 अरब की चोरी करते रंगे हाथों पकड़े गए, लेकिन दुर्भाग्य न चोरी का पैसा राजसात किया गया और न किसी को इस असंवैधानिक और आपराधिक मामले में जेलों में भेजा गया। हमारे यहां किसी को जेल भेजना या तो बेहद आसान काम है या बेहद कठिन।

देश में ईवीएम की विश्वसनीयता पहले दिन से संदिग्ध रही है। भाजपा के 10 साल के शासनकाल में ये अविश्वास कम होने के बजाय बढ़ा है।2019 के आमचुनाव भी उसी संदिग्ध ईवीएम से कराए गए थे जिससे कि 2024 के चुनाव कराए जा रहे हैं।आपको याद होगा की 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इसी ईवीएम मशीन के जरिये चुनाव लड़ते हुए विपक्ष का सूपड़ा साफ़ कर दिया था और ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे तमाम अजेय नेताओं को पराजित कर प्रचंड बहुमत हासिल किया था। अकेले भाजपा को 303 सीटें और 37 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे।

चुनावों में सूपड़ा साफ़ करना एक तकनीक नहीं है । इसके लिए या तो अंडर करेंट की जरूरत पड़ती है या किसी चमत्कार की। जिस लक्ष्य को भाजपा ने 2019 में पार किया था उसे कांग्रेस 1952 ,57 ,62 ,71 और ,80 में पहले ही पार कर चुकी है । भाजपा के 2024 के निर्धारित लक्ष्य 400 को भी कांग्रेस ने 1984 में बिना गठबंधन के अकेली दम पर 404 सीटें जीतकर हासिल कर दिखाया था। इसके लिए कांग्रेस को किसी अवतार की जरूरत नहीं पड़ी थी । तब ईवीएम नहीं बल्कि कागज की पर्चियां थीं। कांग्रेस की दुर्दशा तो 2009 के बाद से होना शुरू हुई है। इस दुर्दशा में कांग्रेस का नेतृत्व और ईवीएम दोनों बड़े कारण हैं। दुर्भाग्य ये है कि ईवीएम को सरे आम चोर कहने वाले लोग अभी तक ईवीएम के खिलाफ खड़े नहीं हो पाए हैं। ईवीएम को लेकर सभी विपक्षी दलों का व्यवहार अस्पष्ट है।विपक्ष गुड़ भी खाना चाहता है और गुलगुलों से परहेज़ भी करना चाहता है।

मुझे ये लिखने में कोई संकोच नहीं है कि विपक्षी दल उन तमाम मुद्दों को लेकर देश में सरकार के विरुद्ध कोई आंदोलन अब तक खड़ा नहीं कर पाया। यानि ईवीएम चोर कही जाती है किन्तु कोई भी विपक्षी दल ईवीएम के बहिष्कार की बात नहीं कर रहा।विपक्ष न ईवीएम को मुद्दा बना पाया न इलेक्टोरल बांड को। विपक्ष अभी तक कोई निर्णायक और अपीली करने वाला मुद्दा बना ही नहीं बना सका।विपक्ष की यही कमजोर नस है। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के मुम्बई में समापन के मौके पर डॉ फारुख अब्दुल्ला ने एक बार फिर से ईवीएम का राग अलापकर कांग्रेस ही नहीं बल्कि बाक़ी के राजनीतिक दलों की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। डॉ अब्दुल्ला ने कहा है कि जिस दिन इंडिया गठबंधन सत्ता में आएगा उसी दिन से ईवीएम का भी अंत हो जाएगा।

फिलहाल तो डॉ अब्दुल्ला का दावा हवा -हवाई है । न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी । इंडिया गठबंधन जिस तरीके से लोकसभा चुनाव लड़ रहा है उसे देखकर नहीं लगता की डॉ फारुख अब्दुल्ला का सपना 2029 में पूरा हो पायेगा । देश से ईवीएम को विदा करना है तो पहले ईवीएम के सहारे एक दशक से जादू कर रखी भाजपा को सत्ता से हटाना होगा। ये असम्भव नहीं किन्तु कठिन काम जरूर है क्योंकि इस समय देश में किसी भी दल के पास भाजपा जैसा संगठनात्मक ढांचा, मजबूत अर्थशास्त्र और भव्य,दिव्य तथा अवतारी नेता नहीं है। भाजपा का नेतृत्व इस समय जो चाहे सो रूप धर सकता है।इस समय भाजपा कामरूप है। उसके पास धनबल,बाहुबल और छलबल इफरात में है। इस मामले में कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष कंगाल है ,फटेहाल है।

आपको बता दूँ कि तमाम अविश्वास के बावजूद भारत में मतदाताओं की मौजूदा चुनाव प्रक्रिया में दिलचस्पी बरकरार है । देश के पहले चुनाव में जहाँ 45 फीसदी मतदाताओं ने चुनाव में हिस्सा लिया था वहीं पिछले आम चुनाव में ये भागीदारी 68 फीसदी तक पहुँच गयी था । इस बार ये प्रतिशत यदि बढ़ता है तो समझा जाएगा कि आम जनता को ईवीएम से कोई शिकायत नहीं है ,शिकायत केवल राजनीतिक दलों को है। और यदि ये भागीदारी कम होती है तो समझा जाएगा कि ईवीएम का विरोध जायज है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन समारोह में डॉ फारुख अब्दुल्ला ही नहीं जम्मू-कश्मीर से पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती भी थीं और बिहार से तेजस्वी यादव भी ,तमिलनाडु से स्टालिन भी। सबके स्वर एक जैसे थे ,लेकिन ईवीएम के विरोध को लेकर केवल और केवल डॉ फारुख अब्दुल्ला बोले।

लोकसभा चुनाव में लड़ाई मुद्दों से हटकर चेहरों पर सिमट गयी है । चुनाव में एक ही मुद्दा है और वो है भाई नरेंद्र मोदी जी। मोदी जी हर तरह से भाई है । उनका भाईचारा पूरे देश ने देखा है ,देख रहा है। मोदी जी का मुकाबला राहुल गांधी के भाईचारे से नहीं है ,क्योंकि विपक्ष ने अब तक अबकी बार राहुल गांधी की सरकार का नारा नहीं दिया है। नारा अबकी बार इंडिया गठबंधन की सरकार का भी ढंग से नहीं गूंजा है । विपक्ष को एक स्पष्ट नारा ,एक स्पष्ट चेहरा भी मोदी जी के मुकाबले रखना चाहिए था । खैर अब देर हो चुकी है । विपक्ष को सत्तापक्ष से कैसे लड़ना है ये विपक्ष जाने । हमारा काम हम कर रहे हैं। मतदाताओं को अपना काम करना चाहि। मतदाता 60 अरब कमाने मवालों के मुकाबले केवल दो रूपये की रियायत पर ही मुतमईन रहना चाहती है तो रहे ,अन्यथा 1975 की तरह समग्र क्रांति का पर्याय तलाशे।या 1985 की तरह व्यक्त आ चुका है जैसा कोई नारा उछाले ! जय सिया राम (लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

चुनावी बांड पटाक्षेप और ग़ुलाम मीडिया में पसरा सन्नाटा

लोकसभा चुनावों से ठीक पहले सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर आख़िरकार भारतीय स्टेट बैंक ने चुनावी बॉन्ड ख़रीद का विस्तृत डेटा अदालत को पेश कर ही दिया। साथ ही यह भी सार्वजनिक कर दिया कि इन इलेक्टोरल बांड के माध्यम से किस राजनैतिक दल को कितने पैसे प्राप्त हुये। जैसा कि पहले भी होता आया है कि सत्तारूढ़ दल को ही प्राय: सर्वाधिक चंदा मिला करता है । इस बार भी सत्तारूढ़ दल यानी भारतीय जनता पार्टी को ही सबसे अधिक चुनावी चंदा हासिल हुआ। परन्तु बात केवल सर्वाधिक चंदा प्राप्त करने तक ही सीमित नहीं है। बल्कि इस लेनदेन के और भी कई ऐसे संदिग्ध पहलू हैं जिनके आधार पर विपक्ष भारतीय जनता पार्टी पर यह कहकर हमलावर है कि भाजपा द्वारा चुनावी बॉन्ड ख़रीद के नाम पर न केवल चंदे का धंधा यानी चंदा देदो -धंधा ले लो का अनैतिक खेल खेला गया है बल्कि कई ऐसी कंपनियों से भी चंदे ऐंठे गए हैं जिनपर पहले तो ई डी,आई टी या सी बी आई द्वारा छापेमारी की गयी उसके फ़ौरन बाद ही इन्हीं कंपनियों ने इलेक्टोरल बांड ख़रीद लिये। और इलेक्टोरल बांड की ख़रीद होते ही इन पर की गयी ई डी,आई टी या सी बी आई की कार्वाही ठन्डे बास्ते में चली गयी। विपक्ष का यह भी आरोप है कि इलेक्टोरल बांड ख़रीदने वाली कई कम्पनियाँ भी फ़र्ज़ी हैं। जबकि कई ऐसी कंपनियों ने भी चुनावी बॉन्ड ख़रीदे हैं जिनकी कमाई तो बहुत ही कम है परन्तु उन्होंने अपनी कमाई से कई गुना अधिक के बांड ख़रीदे। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा चंदा दो, धंधा लो, हफ़्ता वसूली,ठेका लो, रिश्वत दो, मनी लॉन्ड्रिंग के लिए फ़र्ज़ी कंपनियां जैसी भ्रष्ट नीतियां अपना रही है। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उपलब्ध कराये गये डेटा के अनुसार जिन कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड ख़रीदे हैं उनमें फ़्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज़ ,मेघा इंजीनियरिंग इंफ्रा स्ट्रक्चर लिमिटेड,वेदांता लिमिटेड,लक्ष्मी मित्तल, भारती एयरटेल, डीएलएफ़ कामर्शियल डेवलपर्स,ग्रासिम इंडस्ट्रीज़, पीरामल एंटरप्राइज़ेज़ , टोरेंट पावर, अपोलो टायर्स, एडलवाइस, पीवीआर, केवेंटर, सुला वाइन, वेलस्पन, और सन फ़ार्मा जैसी अनेक कंपनियां शामिल हैं। सबसे ज़्यादा क़ीमत के इलेक्टोरल बॉन्ड फ़्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज़ और मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा ख़रीदे गये हैं। फ़्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज़ ने 1,368 करोड़ रुपये के बांड ख़रीदे हैं जबकि मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा 966 करोड़ रुपये के चुनावी बांड ख़रीदे गये।

न खाऊंगा न खाने दूंगा का दंभ भरने वाली वर्तमान भाजपा सरकार 2017 में एक वित्त विधेयक के माध्यम से इस चुनावी बांड योजना को लाई थी जिसे 2018 में लागू कर दिया गया था। हालांकि बीजेपी सहित कांग्रेस, एआईएडीएमके, बीआरएस, शिवसेना, टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस, डीएमके, जेडीएस, एनसीपी, तृणमूल कांग्रेस, जेडीयू, आरजेडी, आप और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से राशि प्राप्त की है। परन्तु अप्रैल 2019 और जनवरी 2024 के बीच चुनावी बॉन्ड के माध्यम से भाजपा को 6,060.51 करोड़ रुपये का सबसे अधिक चंदा हासिल हुआ है। सबसे अधिक धनराशि का बांड ख़रीदने वाली तमिलनाडु की कंपनी फ़्यूचर गेमिंग को 2019 में जितना लाभ हुआ था,इस कंपनी ने उसका छह गुना अधिक इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 में इस कंपनी को टैक्स देने के पहले 82 करोड़ का मुनाफ़ा हुआ था और इसने 328 करोड़ का चंदा दिया था। इसी कंपनी ने चार साल में 1368 करोड़ के बॉन्ड ख़रीदे हैं। इसी तरह मेघा इंजीनियरिंग इंस्ट्रक्चर लिमिटेड एमईसीएल ने भी 966 करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड ख़रीदे हैं। विपक्षी दल कांग्रेस का आरोप है कि मेघा इंजीनियरिंग ने कलेश्वर लिफ़्ट इरिगेशन योजना के अंतर्गत मेड गुडा बराज का निर्माण किया जिसके कई खंभों में दरारें पड़ गई हैं क्योंकि इसमें घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। और इस कम्पनी ने तेलंगाना की जनता का 1,00,000 करोड़ रुपया चोरी किया गया है। इलेक्टोरल बांड ख़रीद के माध्यम से हुये भ्रष्टाचार के बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्टेट बैंक के प्रति बरती गयी सख़्ती का नतीजा यह हुआ था कि 11 मार्च को ही स्टेट बैंक से निवेशकों का भरोसा टूटने लगा था तभी स्टेट बैंक के शेयर्स में दो प्रतिशत की गिरावट भी दर्ज की गयी थी।

सवाल यह है कि चुनावी चंदे के धंधे को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के बाद स्टेट बैंक इंडिया के घुटनों पर आने ,विपक्ष द्वारा इस विषय पर हमलावर होने और पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी से कराने और इसे दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी चंदा घोटाला बताने के बावजूद इसी मुद्दे पर आख़िर भारतीय मीडिया को क्यों सांप सूंघ गया है ? देश का सबसे बड़ा घोटाला और उसपर मीडिया की ख़ामोशी, क्या इस बात का संकेत नहीं कि जो भारतीय मीडिया जहाँ सत्ता का गुणगान करने में कोई कसर बाक़ी नहीं छोड़ता वही उ र ा ठ ा न ा कमियों ,अनियमितताओं ,अनैतिक आचरण तथा आर्थिक घोटाले पर भी पर्दा डालने में खुलकर सत्ता का साथ दे रहा है ? कहना ग़लत नहीं होगा कि भारतीय मीडिया इस समय ह्रास,पतन और बेशर्मी के उत्कर्ष के दौर से गुज़र रहा है। क्या लोकतंत्र का स्वयंभू चौथा स्तंभ धराशायी हो चुका है ? सत्ता के लिए दर्पण रुपी भूमिका अदा करने वाली पत्रकारिता आज सत्ता के ग़ुलाम की भूमिका निभा रही है। यही वजह है कि सत्ता को आइना दिखने वाले अनेक कर्तव्यनिष्ठ पत्रकार अपनी नौकरी गंवा चुके हैं और अपने विभिन्न निजी सोशल प्लेटफ़ॉर्म पर अपना कर्तव्य पूरी ज़िम्मेदारी से निभा रहे हैं। इलेक्टोरल बांड सम्बन्धी विस्तृत जानकारियां भी देश को मुख्य धारा के मीडिया से नहीं बल्कि सोशल प्लेटफ़ॉर्म पर सक्रिय अनेक कर्तव्यनिष्ठ पत्रकारों की ही देन है।

यह पत्रकारिता के इसी अंधकार मय युग की ही देन है कि अनेक टी वी एंकर पार्टी प्रवक्ता की भूमिका अदा करते नज़र आ रहे हैं। आउट डोर रिपोर्टिंग में पत्थरकारों द्वारा नागिन डांस किया जा रहा है। विपक्ष की ख़बरों को न केवल ब्लैक आउट कर दिया गया है बल्कि सवाल भी विपक्ष से ही पूछे जा रहे हैं। एक पत्रकार की आवाज़ को दबाने के लिये पूरा का पूरा मीडिया हाउस ख़रीदा जा रहा है। न जाने कितने बाज़मीर पत्रकारों ने ग़ुलाम मीडिया हॉउस के साथ काम कर अपना ज़मीर बेचने से इंकार कर दिया है। पार्टी विशेष के कई लोग व उनके शुभचिंतक उद्योगपति अपने अपने मीडिया हॉउस चलाकर सत्ता का गुणगान कर रहे हैं। करण थापर और विजय त्रिवेदी जैसे पत्रकारों ने एक दशक पूर्व साहब को ऐसा दर्पण दिखाया कि साहब ने दर्पण देखना ही बंद कर दिया है । गोया सत्ता केवल अपने मन की बात कर इकतरफ़ा संवाद पर भरोसा कर रही है। और मुख्य धारा का मीडिया सत्ता के कवच की भूमिका निभा रहा है। यही वजह है कि मणिपुर की घटना की ही तरह चुनावी बांड घोटाले पर भी सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के बाद हुये पटाक्षेप पर ग़ुलाम मीडिया में पूरी तरह सन्नाटा पसरा हुआ है।(लेखक - तनवीर जाफ़री/ईएमएस)

शब्द पहेली - 7951

बाएँ से दाएँ

1.शमशीर,कृपाण-4
4.उपद्रवी,आतंकी-4
6.अनुबंध,संधि-3
8.धोखा,छल,मक्कारी-3
9.चांदी-3
11.अश्रु-2
13.नीचता-5
15.कुंजी,जिससे ताला खोलते हैं-2
16.पुराना जुकाम-3
18.प्रश्न-3
19.चांदी-3
20.जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22.बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा,कहासुनी-4
2.संगीत यंत्र-2
3.बहुत बड़ा,विशाल-3
4.अपनत्व,अपनापा-5
5.अनबन,झगड़ा-4
7.कपड़े धोनेवाला-3
10.तहजीबदार-5
12.अकस्मात,सहसा-4
14.दृष्टि,निगाह-3
17.बेमिसाल,अनूठा-4
18.बलवान-3
21.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -7950 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

राशिद ने बल्ले और गेंदबाजी से ढहाया कहर...आयरलैंड को 10 रनों से हराया

शारजाह (ईएमएस)। मोहम्मद नबी 59 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी और कप्तान राशिद खान के बल्ले और गेंद से हरफनमौल प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने दूसरे टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को 10 रनों से हराया है। 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत ठीक रही और एंडी बालबर्नी और पॉल स्टर्लिंग की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट 49 रन जोड़े। बालबर्नी ने टीम के लिए सर्वाधिक 44 गेंदों में 45 रनों की पारी खेली। गैरेथ डेलानी ने 18 गेंदों में 39 रन बनाए। कप्तान स्टर्लिंग ने 25 रन बनाए। लोकर्न टकर 10 रन बनाकर आउट हुए। 12वें ओवर में कटिर्स कैम्फर छह रन बनाकर आउट हुए।

आयरलैंड टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 142 रन ही बना सकी और 10 रनों से मुकाबला हार गई। अफगानिस्तान की ओर से राशिद खान ने चार विकेट लिए। नांगेयालिया खरोटे को दो विकेट मिले। फजलहक और मोहम्मद नबी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके पहले अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छा नहीं रही और सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज दूसरे ओवर में तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद इब्राहिम जदरान भी सस्ते में आउट हुए। एक समय अफगानिस्तान ने चार ओवर में 14 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।

इसके बाद नबी ने सेदिकुल्लाह के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी हुई। सेदिकुल्ला अटल ने 32 गेंदों में 35 रन बनाए। वहीं नबी ने 38 गेंदों में छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 59 रनों की पारी खेली। इस जीत में कप्तान राशिद ने अहम योगदान रहा उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 12 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 25 बनाए। अफगानिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 152 रन बनाए।

टी20 विश्व कप में कोहली को जगह नहीं मिलेगी...ऐसी अफवाहें कौन फैला रहा

रोहित और पूर्व क्रिकेटर विराट के सतर्थन में

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली भारत के सबसे इंपोर्टेंट खिलाड़ी में से एक हैं। भारत को वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंचाने में कोहली का बहुत बड़ा हाथ था। लेकिन कुछ दिन पहले विराट को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने यह आई थी कि कोहली को टी20 विश्व कप 2024 में जगह नहीं मिलेगी। रोहित शर्मा ने कहा है कि हमें विराट कोहली किसी भी कीमत पर चाहिए।

पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने कहा, जय श्छप्ष्ठ वह चयनकर्ता नहीं हैं। उन्हें अजीत अगरकर को जिम्मेदारी क्यों देनी चाहिए कि वे अन्य चयनकर्ताओं से बात करें और उन्हें समझाएं कि विराट कोहली को टी20 टीम में जगह नहीं मिल रही है। सूत्रों की मानें तब अगरकर ने खुद को और न ही दूसरे चयनकर्ताओं को मना पाए हैं। शाह ने रोहित शर्मा से भी पूछा लेकिन रोहित ने कहा कि हमें किसी भी कीमत पर कोहली चाहिए। कोहली टी20 वर्ल्ड कप खेलने वाले और इसकी आधिकारिक घोषणा टीम चयन से पहले की जाएगी।

पूर्व क्रिकेटर एस श्रीकांत ने कहा, कोई सवाल ही नहीं उठता कि आप विराट कोहली के बिना टी20 विश्व कप में हिस्सा लें। वह खिलाड़ी थे जो भारत को 2022 के टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में लेकर गए थे। वह मैन ऑफ द टूर्नामेंट थे। ऐसा कौन कह रहा है? ऐसे अफवाह फैलाने वालों को कोई काम नहीं है। अगर भारत को टी20 विश्व कप जीतना है,तब विराट कोहली के बिना ये काम आसान नहीं होगा।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाना चाहते हैं अराइजीत

नई दिल्ली (ईएमएस)। ड्रैग फ्लिकर और स्ट्राइकर अराइजीत सिंह हुंडल पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाना चाहते हैं। उनके दादा और पिता भी हॉकी खिलाड़ी थे पर राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाये थे। अब अराइजीत इस सपने को पूरा करना चाहते हैं। अराइजीत ने कहा, 'अगर मैं पेरिस ओलंपिक टीम में जगह बना पाता हूं तो हमारे घर पर जश्न का माहौल रहेगा। सबके चेहरे पर ऐसी खुशी होगी जो मैंने भी कभी नहीं देखी होगी। मैं भी वैसी खुशी देखना चाहता हूं और टीम में जगह के लिए पूरी ताकत लगा दूंगा।

अराइजीत अभी ओलंपिक तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भुवनेश्वर में जारी राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे हैं। इस खिलाड़ी ने इस साल दक्षिण अफ्रीका दौरे से सीनियर टीम में पदार्पण किया था। 20 साल के इस खिलाड़ी ने दिसंबर में कुआलालम्पुर में खेले गए जूनियर विश्व कप में कोरिया के खिलाफ एक हैट्रिक सहित भारत की ओर से सबसे अधिक चार गोल किए थे। उन्होंने कहा, 'मेरे परिवार का सपना है कि मैं ओलंपिक खेलूं। दादाजी हॉकी खेलते थे। पापा के तीन भाई थे और सभी राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेले हैं। सभी को हॉकी के आधार पर ही नौकरी मिली पर भारतीय टीम में कोई जगह नहीं बना सका। उन्होंने कहा, 'मेरे पापा 1999 में राष्ट्रीय शिविर में थे लेकिन पारिवारिक कारणों से उन्हें बीच में शिविर छोड़कर जाना पड़ा। अंत में अब मैं ही रह गया हूं क्योंकि मेरे अलावा अब परिवार में कोई नहीं खेलता पर मुझे भरोसा है कि मैं उनके सपने पूरे करूंगा। अराइजीत ने कहा कि सीनियर स्तर पर खेलना बिल्कुल अलग होता है। मैंने तीन चार साल जूनियर हॉकी खेली और दो विश्व कप भी खेल चुका हूं। पिछले विश्व कप में मेरे प्रदर्शन को देखकर ही सीनियर टीम में जगह मिली है। उन्होंने कहा, 'मुझे दक्षिण अफ्रीका में पदार्पण का मौका मिला और फिर भारत में एफआईएच प्रो लीग में नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ अवसर दिया गया। यह हमारी खुशकिस्मती है कि हमें सीनियर करियर की शुरूआत में ही ओलंपिक की तैयारी के लिए लगाए गए शिविर में जगह मिली है।

अश्विन को अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचना चाहिए: शास्त्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन किसी ना किसी कारण से चर्चा में रहते हैं। हालिया इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में उन्होंने करियर का 100वां टेस्ट मैच खेला। इस सीरीज के दौरान 500 टेस्ट विकेट भी पूरे किए। वह भारत की तरफ से सबसे तेज 500 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि फिलहाल उन्हें संन्यास के बारे में नहीं सोचना चाहिए। शास्त्री ने कहा, इतनी बड़ी उपलब्धियां। कोई मजाक नहीं है इतनी सारी उपलब्धियां हासिल करना। मेरा मानना है कि अश्विवन में अभी काफी क्रिकेट बचा है। स्पिनर उम्र बढ़ने के साथ परिपक्वत होते हैं।

शास्त्री का मानना है कि आर अश्विन जिस तेजी से विकट चटकाते हैं वह महान भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान 500 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज के सामने कुंबले के 619 विकेट का रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है। अगले दो साल तक अगर वह खेल जाएंगे तब इस आंकड़े को आसानी से पार कर सकते हैं। भारतीय टेस्ट इतिहास में कुंबले के 619 विकेट गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ा 'बेंचमार्क' बने हुए हैं। उन्होंने पिछले दशक में भारत की सफलता में अश्विन के बड़े योगदान के बारे में कहा'मेरे हिसाब से देश का जितने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व किया है, वह उन में से एक हैं। उनके विकेट की संख्या शानदार है।

मंधाना ने डब्लूयपीएल खिताब जीतकर अहम उपलब्धि अपने नाम की

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्मृति मंधाना ने अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को महिला प्रीमियर लीग (डब्लूयपीएल) खिताब जिताकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। वहीं विराट कोहली की कप्तानी में पुरुष टीम एक बार भी ये खिताब नहीं जीत पायी थी। फाइनल से पहले मंधाना ने कहा था कि जो आरसीबी की पुरुष टीम के साथ हुआ है। उससे उनकी तुलना न करें दोनो ही बातें अलग हैं। आरसीबी ने मंधाना को तीन करोड़ 40 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा था। वह महिला आईपीएल में बिकने वाली सबसे महंगी खिलाड़ी हैं जिसका लाभ अब टीम को खिताब के रूप में मिला है। मंधाना की नेट वर्थ करीब 33 करोड़ रुपए के आस पास है। मंधाना को बीसीसीआई से सालाना 50 लाख रुपये का रिटेनर मिलता है। इसके अलावा इस क्रिकेटर को प्रत्येक टेस्ट, एकदिवसीय और टी20ई के लिए 4 लाख, 2 लाख और 2.5 लाख रुपये मिलते हैं।

मंधाना को ब्रांड एनडोर्समेंट से भी अच्छी कमाई होती है। वह बूस्ट, हीरो मोटोकोर्प जैसी और भी कंपनी का विज्ञापन करते हुए भी नजर आती है। मंधाना ने टेस्ट मैच में डेब्यू साल 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ किया था।. इसमें उन्होंने टीम को जिताने में मदद की थी जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। उन्होंने एकदिवसीय में डेब्यू बांग्लादेश के खिलाफ 10 अप्रैल 2013 को किया था।

भारी उतार-चढ़ाव के बीच हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

टाटा स्टील के शेयर में आया बंपर उछाल

मुंबई (ईएमएस)। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में मामूली बढ़त के साथ हरे निशाना पर बंद हुए। निवेशक इस सप्ताह यूएस फेडरल रिजर्व के इंटरेस्ट रेट को लेकर फैसले और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए सतर्क दिख रहे हैं।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 104.99 अंक की बढ़त लेकर 72,748.42 अंक पर बंद हुआ। दिन के कामकाज के दौरान यह 72,985.89 के शीर्ष और 72,314.16 के निचले स्तर तक चला गया था। इस तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 32.35 अंक की बढ़त के साथ 22,055.70 अंक के लेवल पर बंद हुआ।

सोमवार को सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील ने 5 प्रतिशत से ज्यादा की छलांग लगाई। साथ ही महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति अन्य सबसे बड़े लाभ में रहे। दूसरी तरफ, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, विप्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले के शेयर लाल निशान में बंद हुए। इसके अलावा ऑटो, मेटल, कमोडिटी और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी आई जबकि आईटी और टेक शेयरों को नुकसान का सामना करना पड़ा।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया सियोल, जापान का टोक्यो, चीन का शंघाई और हांगकांग के शेयर बाजार बढ़त में बंद हुए। स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 848.56 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

सोना-चांदी के कारोबार की सुस्त शुरुआत

-सोना 65,250 और चांदी 75,250 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट साथ खुले। सोना 65,250 हजार रुपये और चांदी 75,250 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। लेकिन बाद में सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव में सोमवार को सुस्ती देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 94 रुपये की गिरावट के साथ 65,348 रुपये के भाव पर खुला और 283 रुपये की गिरावट के साथ 65,259 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 65,395 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 65,250 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 66,356 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।चांदी के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 150 रुपये की गिरावट के साथ 75,400 रुपये के भाव पर खुला जो 387 रुपये की गिरावट के साथ 75,263 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट और चांदी वायदा भाव की तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,159.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,161.50 डॉलर था। ?फिलहाल यह 7.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,153.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.40 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.38 डॉलर था। ??फिलहाल यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 25.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

हिमाचल के 6 बागी विधायकों को राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक वोटिंग-सदन से दूर रहेंगे

शिमला (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के 6 बागी कांग्रेस विधायकों की अयोग्यता पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी है। साथ ही 6 मई तक हिमाचल प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव पर भी रोक लगा दी है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने हिमाचल विधानसभा स्पीकर और सेक्रेटरी को नोटिस देकर इस मामले पर 14 दिन में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 6 मई को होगी।

दरअसल, बागी विधायकों ने स्पीकर पठानिया के फैसले को असंवैधानिक बताते हुए उनकी सदस्यता बहाल करने और स्पीकर के ऑर्डर स्टे करने की अपील सुप्रीम कोर्ट से की थी। इसके पहले 12 मार्च की सुनवाई में विधायकों के वकील हरीश साल्वे कोर्ट में पेश नहीं हुए और एडवोकेट सत्यपाल जैन ने अगली तारीख मांगी थी।

अडानी समूह को सुप्रीम कोर्ट से झटका, भुगतान अधिभार मामले में विचार से इंकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी समूह को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अडानी पावर के उस आवेदन पर विचार करने से इंकार किया, जिसमें विलंब से भुगतान अधिभार (एलपीएस) की मांग की गई थी। इसके साथ ही अडानी की कंपनी पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह जुर्माना स्पष्टीकरण के लिए आवेदन दायर करने को लगाया गया है।

अडानी पावर को फटकार लगाकर न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति संजय कुमार की खंडपीठ ने कहा, एलपीएस के लिए अलग-अलग आवेदन दाखिल करना अडानी पावर द्वारा अपनाया गया उचित कानूनी सहारा नहीं है। हम सुप्रीम कोर्ट कानूनी सेवा प्राधिकरण को 50,000 रुपये का भुगतान करने के साथ आवेदन को खारिज करते हैं। बता दें कि अडानी पावर की ओर से राज्य डिस्कॉम से एलपीएस के रूप में 1,300 करोड़ रुपये से अधिक की मांग की गई थी। यह राजस्थान सरकार के स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनी जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीन है।

अडानी पावर राजस्थान लिमिटेड (एपीआरएल) के आवेदन में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से 1,376.35 करोड़ रुपये के अतिरिक्त भुगतान का दावा किया गया था। इसके साथ ही तर्क दिया गया था कि अगस्त 2020 के फैसले में जो निर्णय लिया गया वह कानून में बदलाव और वहन लागत के मुआवजे पर था, जो 28 जनवरी को राजस्थान डिस्कॉम के साथ हस्ताक्षरित बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत देर से भुगतान अधिभार (एलपीएस) से अलग था।

भारत की मौजूदा आर्थिक तेजी का दौर 2003-07 जैसाः मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली (ईएमएस)। निवेश के बल पर आगे बढ़ रही भारत की वर्तमान आ?र्थिक वृद्धि की रफ्तार 2003-07 जैसी ?दिखाई दे रही है। उस समय आर्थिक वृद्धि दर औसतन 8 प्रतिशत से अधिक थी। मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्रियों ने यह बात कही है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में कहा कि एक दशक तक जीडीपी के मुकाबले निवेश में लगातार गिरावट के बाद अब भारत में पूंजीगत व्यय वृद्धि के प्रमुख चालक के रूप में उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक हमें लगता है कि पूंजीगत व्यय चक्र के लिए पर्याप्त गुंजाइश है और इसलिए वर्तमान तेजी 2003-07 के समान है। मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि वर्तमान तेजी खपत की तुलना में निवेश बढ़ने के चलते है। शुरुआत में इसे सार्वजनिक पूंजीगत व्यय से समर्थन मिला, लेकिन निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि हो रही है। इसी तरह खपत को पहले शहरी उपभोक्ताओं ने सहारा दिया और बाद में ग्रामीण मांग भी बढ़ी। वैश्विक निर्यात में बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और व्यापक ह्लाड्ढ्र% स्थिरता से भी अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि हमारा मानना है कि मौजूदा तेजी जीडीपी के मुकाबले निवेश बढ़ने से है।

एक साल में भारतीय रेलवे की आय 17,000 करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रेलवे बीते कुछ सालों से जमकर कमाई कर रही है। इस वित्त वर्ष 2023-24 की बात करें तो रेलवे ने माल ढुलाई, कुल राजस्व, ट्रैक बिछाने के मामले में रिकॉर्ड बनाने की राह पर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेलवे का कुल राजस्व अब तक 2.40 लाख करोड़ रुपये है। कमाई की ये आंकड़ा पिछले साल 15 मार्च को 2.23 लाख करोड़ रुपये था। यानी की एक साल में भारतीय रेलवे ने कुल राजस्व में करीब 17,000 करोड़ की वृद्धि दर्ज की है। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल का कुल व्यय 2.26 लाख करोड़ रुपये है। रेलवे से मिले प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार भारतीय रेल ने शुक्रवार को 1,500 मिलियन टन की मूल माल ढुलाई की है। बीते साल ये आंकड़ा 1,512 मिलियन टन था। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान रेलवे से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 648 करोड़ है। जो ?कि पिछले साल से 52 करोड़ अधिक है। पिछले वर्ष यात्रा करने वाले यात्रियों की कुल संख्या 596 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष में अब तक भारतीय रेल द्वारा 5,100 किलोमीटर नई रेलवे ट्रैक बिछाई गई है।

भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही वैश्विक खिलौना कंपनियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन के लिए जो बात नुकसान वाली हो सकती है, वह भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही है। भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 15 और वित्त वर्ष 23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप देश शुद्ध निर्यातक बन गया। भारत में खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। उद्योग के भागीदारों के अनुसार हालांकि हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए देश पर अधिक निर्भर हैं, लेकिन इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास जैसी प्रमुख विनिर्माता अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रहीं हैं। बीआईएस के नियमन से पहले खिलौनों के लिए भारत की चीन पर 80 प्रतिशत निर्भरता थी, जो अब कम हो गई है। आज कई कंपनियों ने भारत में अपना आधार तैयार किया है। कंपनी हैसब्रो, स्पिन मास्टर, अर्ली लर्निंग सेंटर, फ्लेयर और डूमोंड पार्क गेम्स जैसी अंतरराष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। कंपनी द्वारा उत्पादित करीब 60 प्रतिशत उत्पाद अब निर्यात बाजारों की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, जिनमें अमेरिका में जीसीसी, यूरोप के 33 देश शामिल हैं।

पैदा होने के एक साल में अरबपति बना ये बच्चा, जाने कौन है ये खुशकिस्मत बालक

मुंबई (ईएमएस)। पिछले साल 10 नंबवर 2023 को पैदा हुआ एक बच्चा अब अरबपति है। बच्चे का नाम है, एकाग्रह रोहन मूर्ति है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एकाग्रह संभवतः भारत का सबसे कम उम्र का अरबपति है। दरअसल, उसके दादा ने अपनी कंपनी के अपने हिस्से में से कुछ शेयर ट्रांसफर किए हैं। उसके दादा का नाम नारायण मूर्ति है। दरअसल इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति ने अपने पोते को इंफोसिस के 240 करोड़ रुपये की वैल्यू के शेयर गिफ्ट में दिए हैं।

एकाग्रह मूर्ति के पास अब इंफोसिस के 15,00,000 शेयर हैं। यह कंपनी के कुल शेयरों का 0.04 फीसदी है। एक एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी सामने आई है। इन ट्रांसफर शेयरों के बाद नारायण मूर्ति के पास कंपनी के कुल शेयरों का 0.36 फीसदी हिस्सा (1.51 करोड़ शेयर) बचा है। पिछले साल नवम्बर में नारायण और सुधा मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति और उनकी पत्नी अपर्णा कृष्णान के घर यह बच्चा पैदा हुआ था। इसका नाम एकाग्रह रखा गया था। बताया गया था कि नाम महाभारत में अर्जुन के एकाग्रह से लिया गया है। ध्यान किसी विशेष चीज पर केंद्रित करने को एकाग्रह कहा जाता है।

बता दें कि इंफोसिस की शुरुआत 1981 में 250 डॉलर से हुई और आज यह भारत की सबसे सम्मानित कंपनियों में से एक है।

सोनम वांगचुक की केंद्र से लद्दाख को लेकर वादा निभाने की अपील

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले 13 दिनों से सत्याग्रह पर बैठे मैग्सेसे पुरस्कार विजेता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक का कहना है कि लद्दाख के लोग नाराज हैं और चाहते हैं कि केंद्र सरकार अपने वादे निभाए जो उसने एक बार नहीं बल्कि दो बार किए हैं। वांगचुक ने कहा कि उनके दो मुख्य मुद्दे हैं। पहला लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना और दूसरा संविधान की छठी अनुसूची में शामिल कर राज्य का संरक्षण किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बहाली हो रही है, लेकिन लद्दाख में नहीं। उन्होंने कहा कि आने वाली सरकार से आश्वासन पत्र चाहिए तब तक हम ये आंदोलन बंद नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कह दिया है, लेकिन बीजेपी अभी नहीं बोल रही की वो अपना वादा पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा उनके घोषणा पत्र में भी था। उन्होंने वादा किया, लेकिन निभाया नहीं।

वांगचुक ने कहा कि लद्दाख में रोष है। हमारा आंदोलन चलता रहा है। लद्दाख संवेदनशील सीमा है, लेकिन इस मामले को लेकर केंद्र संजीदा नहीं लगता है। लद्दाख के मुद्दे दिल्ली या लखनऊ से आए लोग नहीं समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र ने 2019 में लद्दाख के लोगों का दिल जीता था, लेकिन अब लग रहा है कि उन्होंने हमें आसमान से बचाया लेकिन खजूर पर अटका दिया।

इंडिया ब्लॉक के नेता बोले, सत्ता में आए तो हटा देंगे ईवीएम

- र्अ (ईएमएस)। महाराष्ट्र के मुंबई में कांग्रेस की मेगा रैली में इंडिया ब्लॉक के नेताओं के टारगेट पर ईवीएम रही। रैली से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि आने वाले दिनों में विपक्ष के चुनाव प्रचार में ईवीएम ही टारगेट पर रहेगी। अलायंस में शामिल पार्टियों के नेताओं ने ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया का विरोध किया और ऐलान किया है कि अगर हम सत्ता में आए तो ईवीएम से वोटिंग कभी नहीं होने देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क मैदान में इंडिया ब्लॉक के दिग्गज नेताओं को जमावड़ा लगा। यहां नेताओं ने वोटिंग के लिए ईवीएम के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाई। सभी नेताओं ने ईवीएम वोटिंग के खिलाफ बात की और कहा ??कि जब इंडिया ब्लॉक सत्ता में आएगा तो ईवीएम को वोटिंग प्रक्रिया से हटा देंगे और ईसीआई को स्वतंत्रता देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा ?कि बिना ईवीएम के नरेंद्र मोदी चुनाव नहीं जीत सकते हैं। हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि हमें ईवीएम दिखाएं और हमारे विशेषज्ञों को मशीन दिखाएं। उन्होंने हमें दिखाने से इनकार कर दिया। हमने मशीन और उससे निकलने वाले कागज के बारे में पूछा, लेकिन उन्होंने उन कागजों को गिनने से इनकार कर दिया। राजा की आत्मा ईवीएम में है। नरेंद्र मोदी का काम है- आपका ध्यान हटाओ। पिछले 40 वर्षों की तुलना में आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। पूरी व्यवस्था नियंत्रण में है। जब पहली बार उनकी सरकार सत्ता में आई तो अरुण जेटली आए, मुझसे कहा ?कि भूमि अधिग्रहण के बारे में मत बोलो। मैंने पूछा कि मैं इसके बारे में क्यों नहीं बोलूंगा? उन्होंने कहा कि अगर मैं बोलूंगा तो हम आप पर केस डाल देंगे। ईडी मेरे पास आई और उन्होंने मुझसे 50 घंटे तक पूछताछ की। ईडी अधिकारी ने मुझसे कहा कि आप किसी से नहीं डरते हैं, आप नरेंद्र मोदी को हरा सकते हैं।

लालू की बेटी रो?हिणी लड़ सकती हैं चुनाव

पटना (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू यादव अपनी एक और बेटी रोहिणी आचार्य को भी इस लोकसभा चुनाव के जरिए राजनीति में प्रवेश करवा सकते हैं। इस बात की पूरी संभावना जताई जा रही है कि सिंगापुर में रहने वाली लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य चुनाव लड़ सकती है। रोहिणी आचार्य ने पिछले साल अपने पिता को एक किडनी दान में दी थी जिसको लेकर उनकी खूब प्रशंसा हुई थी। अब ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द लालू अपनी बेटी रोहिणी को भी राजनीति में लॉन्च कर सकते हैं। रोहिणी से पहले लालू परिवार में उनकी पत्नी राबड़ी देवी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और उनके तीन बच्चे मीसा भारती, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव भी सक्रिय राजनीति में हैं। मीसा भारती इस वक्त राज्यसभा सांसद हैं, वहीं तेजस्वी यादव पूर्व उपमुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष तेज प्रताप यादव भी बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और विधायक हैं। लालू यादव ने भी 70 के दशक में इसी सीट से राजनीति की शुरुआत की थी। गौरतलब है लालू पहली बार छपरा (अब सारण) लोकसभा सीट से सिर्फ 29 साल की उम्र में 1977 में सांसद बने थे। इसके बाद 1989 और 2004 में भी उन्होंने सारण से ही चुनाव जीता था।

प्लास्टिक से कम कीमत में भूसे से बने कप-स्ट्रा और प्लेट

- सागर में बने कप पर्यावरण के लिए फायदेमंद

सागर (ईएमएस)। सागर में रहने वाली स्टार्टअप डॉक्टर निलय शर्मा ने भूसे से चाय के कप और स्ट्रा तैयार की है। चाय के कप कागज और प्लास्टिक के कप से सस्ते हैं। इनका उपयोग कर इन्हें गाय भैंस को खिलाया भी जा सकता है। पर्यावरण के लिए यह बेहद फायदेमंद है। इससे खाद भी बनती है।

स्टार्टअप द्वारा बनाए गए कपों को अभी सागर, सतना, रीवा और जबलपुर में सप्लाई किया जा रहा है। सतना में पश्चिम मध्य रेलवे में भी चाय सप्लाई का ठेका मिला है। स्टार्टअप के रूप में डॉ शर्मा की चाय कंपनियों से बात भी चल रही है। फ्रेंचाइजी नेटवर्क में इस काम को आगे बढ़ाया जाएगा। इन कपों की मांग सबसे ज्यादा इंदौर में है। इंदौर स्वच्छता और पर्यावरण को लेकर बेहद सजग है।

भूसे से कप बनाने की प्रक्रिया

भूसा आसानी से किसानों से मिल जाता है। पराली का भी इसमें उपयोग किया जा सकता है। भूसा और पराली को ग्राइंड करके खाने वाली चीजों की सहायता से पेस्ट तैयार किया जाता है। किसी भी किस्म के केमिकल का इसमें उपयोग नहीं होता है। पशु जो खाता है,उसी सामग्री से यह निर्मित होता है। बाइंडर और मोल्डिंग के जरिए इसे तैयार किया जाता है। पशुओं के चारे के रूप में तथा खाद भी आसानी से प्राकृतिक तरीके से बन जाती है। मिट्टी पानी और हवा को सुरक्षित रखने के लिए इस तरह के उत्पाद पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। सस्ते होने के कारण प्लास्टिक और कागज का उपयोग भी कम होगा। कागज बनाने के लिए जो पेड़ और बांस काटे जाते हैं। वह भी नहीं काटने पड़ेंगे। स्टार्टअप के इस काम की सभी जगह सराहना हो रही है। इससे रोजगार भी स्थानीय स्तर पर मिलेगा।

त्रिपुरा में वाम मोर्चा और कांग्रेस ने मिलाया हाथ

अगरतला(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव को लेकर देश के तमाम राजनैतिक दल अपनी अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं इसी संभावना के तहत मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चा ने रविवार को त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट (एसटी) के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा की और त्रिपुरा पश्चिम सीट पर कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला किया। सीपीआई-एम की राज्य समिति और वाम मोर्चा की अलग-अलग बैठकों के बाद, वाम मोर्चा के संयोजक नारायण कर ने कहा कि पूर्व सीपीआई-एम विधायक राजेंद्र रियांग त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट के लिए वाम दल के उम्मीदवार होंगे, जो आदिवासियों के लिए आरक्षित है। उन्होंने कहा कि माकपा की पश्चिम जिला समिति के सचिव पूर्व विधायक रतन दास को रामनगर विधानसभा सीट से मैदान में उतारा जाएगा, जहां 19 अप्रैल को उपचुनाव होना है। भाजपा विधायक सुरजीत दत्ता के 28 दिसंबर को निधन हो जाने के कारण यह विधानसभा सीट खाली हो गई थी। वामपंथी नेता ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि वाम मोर्चा ने इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में भाजपा को हराने के लिए गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर चुनावी लड़ाई लड़ने का फैसला किया है।

पीएम मोदी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक टली

दिल्ली की तीन सीटों पर नाम फाइनल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की तीन सीटों पर प्रत्याशी तय करने के लिए कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक सोमवार को भी नहीं हो रही है। इसके पहले सीईसी की पिछली बैठक में दिल्ली की स्क्रीनिंग कमेटी से तीनों सीटों पर एक-एक नाम ही फाइनल करके लाने को कहा गया था।

मालूम हो कि सीईसी की बैठक पहले सोमवार को होनी थी, लेकिन अब यह मंगलवार को होगी। स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा फाइनल नामों पर मुहर लग सकती है। साथ ही कुछ अन्य सीटों के साथ ही दिल्ली में उम्मीदवारों के नामों की भी घोषणा की जा सकती है।

बता दें कि पिछली बैठक में सीईसी के समक्ष जो तीन नामों का पैनल भेजा गया था, उसमें चांदनी चौक से पूर्व सांसद जेपी अग्रवाल, पूर्व विधायक अलका लांबा और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, पूर्वी दिल्ली से प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी और वरिष्ठ नेता चतर सिंह जबकि उत्तर पश्चिमी दिल्ली से पूर्व सांसद उदित राज, पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान एवं पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार के नाम शामिल थे। जानकारी के मुताबिक, चांदनी चौक से अग्रवाल, पूर्वी दिल्ली से संदीप दीक्षित और उत्तर पश्चिमी दिल्ली से राजकुमार के नाम पर सहमति बन सकती है। अगर आलाकमान के संकेत पर केंद्रीय स्तर पर कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ, तब इन्हीं नामों पर मुहर लगाई जा सकती है। बात दें कि दिल्ली में मतदान 25 मई को होगा।

पीएम मोदी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

टीएमसी सांसद ने ईसी को लिखा- आंध्रप्रदेश में प्रचार के लिए वायुसेना का हेलिकॉप्टर इस्तेमाल किया

पलनाडु (ईएमएस)। टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग में आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराई है। गोखले का आरोप है कि पीएम मोदी ने आंध्रप्रदेश के पलनाडु में लोकसभा सीट चिलकलुरिपेट में एक चुनावी रैली में भाग लेने के लिए वायुसेना के हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 17 मार्च को पलनाडु जिले के बोपुडी गांव में एनडीए की चुनावी सभा को संबोधित करने गए थे। रैली से सामने आए वीडियो में वे वायुसेना के हेलिकॉप्टर से उतरते नजर आए थे। साकेत ने आंध्रप्रदेश चुनाव आयोग को दी शिकायत की कॉपी सोशल मीडिया एक्स पर भी शेयर की है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग ने 16 मार्च को चुनाव की तारीखों का ऐलान करते समय यह चेतावनी दी थी कि आचार संहिता के उल्लंघन से सख्ती से निपटा जाएगा।

टीएमसी सांसद गोखले ने बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करवाई है, न कि सुप्रीम कोर्ट में। क्योंकि जब चुनाव चल रहे हों और आचार संहिता लागू हो तो अदालतों को चुनावी मामलों में हस्तक्षेप करने की परमिशन नहीं है। इसलिए पीएम मोदी पर चुनाव आयोग को ही कार्रवाई करनी चाहिए।

उत्तर कोरिया ने दागी जापान के समुद्र की ओर मिसाइल

टोक्यो (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने 50 किलोमीटर की ऊंचाई पर 350 किलोमीटर तक उड़ान भरने वाली तीन मिसाइलें जापान के समुद्र की ओर दागीं है। जापान के रक्षा मंत्रालय के हवाले से इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीनों मिसाइलें जापान के समुद्र में गिरीं। इसके पहले दिन में, एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि उत्तर कोरिया ने जापान के सागर की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। इस साल यह बैलिस्टिक मिसाइल का दूसरा प्रक्षेपण था। पिछला 14 जनवरी को हुआ था। उत्तर कोरियाई मीडिया ने फरवरी के मध्य में बताया कि प्योंगयांग ने सतह से समुद्र तक मार करने वाली एक नई मिसाइल, पदासुरी-6 का परीक्षण किया था। दक्षिण कोरियाई ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने उसी दिन कहा कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से जापान सागर की ओर कई अनिर्दिष्ट क्रूज मिसाइलें दागी थीं।

5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 4 की मौत

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में रविवार देर रात एक 5 मंजिला अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग गिर गई। सुबह तक इसमें 2 लोगों के मौत की खबर थी अब यह आंकड़ा 4 हो गया है। घटना साउथ कोलकाता के मेटियाब्रुज की है। अब तक 13 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक घटना के समय बिल्डिंग खाली थी। इसके बगल में झुग्गियां हैं, जिन पर बिल्डिंग गिर गई। वहां लोग सो रहे थे। लोगों की तलाश करने के लिए मलबे को गैस कटर से काटकर हटाया जा रहा है। कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट और फायर सर्विस की टीमें अभी भी सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। कई एम्बुलेंस भी तैनात की गई हैं। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल का इलाका भीड़भाड़ वाला है। इसलिए सावधानी बरती जा रही है।

फसल सूंघकर सेंसर किसान को देंगे अलर्ट मैसेज

हैदराबाद (ईएमएस)। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग के वैज्ञानिकों ने वायरलेस सेंसर नेटवर्क का आधुनिक वर्जन तैयार किया है। इसमें सेंसर के जरिए फसल को सेंसर के माध्यम से एनालाइज किया जा सकता है। एनालाइज करने के बाद किसान को अलर्ट मैसेज भेजा जा सकता है। इससे किसानों को कब कितने पानी का छिड़काव करना है। कब कीटनाशक छिड़कना है। धूप का पौधों पर किस तरह का असर पड़ रहा है। यह सभी जानकारी किसानों को मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त हो जाएगी। किसानों को एसएमएस के द्वारा भी सूचना भेजी जा सकेगी।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के महबूबनगर जिले में 350 एकड़ में यह मॉडल प्रायोगिक तौर पर चल रहा है। किसान इस मॉडल को आसानी से अपडेट कर सकते हैं। नोडस सेंसर, राउटर और गेटवे के माध्यम से हाई फ्रीक्वेंसी वाले पांच सेंसर लगाए गए हैं। इन सेंसर के माध्यम से रियल टाइम में तापमान, आर्द्रता, पौधों के पत्तों का गीलापन, मिट्टी की नमी और तापमान जैसी जानकारीसेंसर के माध्यम से रिकॉर्ड होती है। उसका डाटा रजिस्टर्ड किसानों को भेजा जाता है।

नेतन्याहू की अमेरिका को दो टूक....हम पर चुनाव थोपने की कोशिश ना करें

येरुसलम (ईएमएस)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के साथ युद्ध के बीच अपने नेतृत्व के खिलाफ अमेरिका की बढ़ती आलोचना पर पलटवार कर नए सिरे से चुनाव के आह्वान को पूरी तरह से अनुचित बताया। हाल के दिनों में अमेरिकी सीनेट के बहुसंख्यक नेता चक शूमर ने इजराइल से नए सिरे से चुनाव कराने का आह्वान कर कहा था कि नेतन्याहू रास्ता भटक चुके हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शूमर के भाषण का समर्थन किया था। इसके पहले बाइडेन गाजा में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत को लेकर नेतन्याहू पर इजरायल को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। नेतन्याहू ने बताया कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद इजराइल ने कभी भी नए सिरे से अमेरिका में चुनाव कराने का आह्वान नहीं किया होगा। उन्होंने शूमर की टिप्पणियों को अनुचित बताया। उन्होंने कहा हम कोई साधारण गणराज्य नहीं हैं। इजराइल के लोगों को तय करना हैं कि उनके यहां चुनाव कब हो और वे किसे चुने और यह कोई ऐसी चीज नहीं है, इसलिए हम पर थोपा जाएगा। इसकारण कोई भी हम पर चुनाव थोपने की कोशिश नहीं करे।

सीधा संघर्ष का मतलब तीसरा विश्व युद्ध : पुतिन

-चुनाव जीतने के साथ ही राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिम को चेताया

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पांचवीं बार राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। जीत की इस घड़ी में उन्होंने पश्चिमी देशों को चेताते हुए कहा है कि सीधे संघर्ष का मतलब होगा कि दुनियां तीसरे विश्व युद्ध से महज एक कदम दूर है।

दरअसल राष्ट्रपति पुतिन ने सोमवार को कहा कि रूस और अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो सैन्य गठबंधन के बीच सीधे संघर्ष का अर्थ होगा कि पृथ्वी तीसरे विश्व युद्ध से महज एक कदम दूर है। उन्होंने कहा कि संभवतः कोई भी ऐसा परिदृश्य देखना नहीं चाहता होगा। गौरतलब है कि मीडिया रिपोर्ट्स लगातार बताती है कि यूक्रेन युद्ध ने 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से पश्चिमी देशों के साथ मॉस्को के संबंधों में सबसे गहरा संकट उत्पन्न कर दिया है। दरअसल फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने ही गत माह ही कहा था कि वो भविष्य में यूक्रेन में जमीनी सैनिकों की तैनाती से इनकार नहीं कर सकते हैं। अनेक पश्चिमी देशों ने खुद को इस स्थिति से दूर कर रखा है, जबकि अन्य, खासतौर पर पूर्वी यूरोप, ने समर्थन जाहिर किया है। चूंकि पुतिन ने परमाणु युद्ध के खतरों के बारे में चेतावनी दी है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि कभी भी यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की जरूरत उन्हें महसूस नहीं हुई है। पुतिन यह जरुर कहते हैं कि आधुनिक विश्व में सब कुछ संभव है।

नाटो देश यूक्रेन में ग्राउंड ऑपरेशन चलाने की कर रहे तैयारी

रूस पर हमला हुआ तो चीन सेना भेजेगा

मास्को(ईएमएस)। चीन की डिफेंस मिनिस्ट्री के एक रिप्रजेंटेटिव ने दावा किया है कि अगर अमेरिका या नाटो देश रूस पर हमला करते हैं तो चीन सेना भेजेगा। यह बात ऐसे समय सामने आई है जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने कहा था कि नाटो को यूक्रेन में सैनिक भेजने चाहिए। वहीं, पिछले हफ्ते ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अमेरिका को वॉर्निंग देते हुए कहा था कि रूस परमाणु जंग के लिए तैयार है और यूक्रेन में अमेरिकी सेना की तैनाती को जंग बढ़ाने के तौर पर देखा जाएगा।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने यूक्रेन जंग पर अपने रुख में बदलाव किया है। जंग के शुरुआती दौर में वो जंग का दायरा बढ़ाने के खिलाफ थे। मैक्रों अब कहते हैं कि यूक्रेन को मदद देना कम करने का मतलब रूस के सामने घुटने टेक देना है। पिछले महीने फ्रांस के राष्ट्रपति ने यूक्रेन में सेना उतारने की संभावनाओं को खारिज करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने फिर से ये बात दोहराई। उन्होंने एक फ्रांसीसी अखबार ला पेरिसियन से कहा- मैं भी नहीं चाहता की ऐसा हो। मैं इसकी पहल भी नहीं करूंगा पर हमें रूसी सेना को खदेड़ने के लिए यूक्रेन में ग्राउंड ऑपरेशन चलाने की जरूरत है चाहे वो जैसे भी हो।

यूक्रेन में नाटो सैनिक भेजे तो विश्व युद्ध होगा

मैक्रों के बयान के बाद इटली ने चेतावनी दी कि अगर नाटो ने अपने सैनिक यूक्रेन भेजे तो तीसरा विश्व युद्ध छिड़ जाएगा। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा- मुझे नहीं लगता है कि नाटो को अपने सैनिक यूक्रेन भेजने चाहिए। अगर ऐसा हुआ तो ये बड़ी गलती होगी। हमें यूक्रेन की इतनी मदद करनी चाहिए जिससे वो अपनी रक्षा कर सके। यूक्रेन में घुसकर रूस के खिलाफ लड़ने का मतलब तीसरे विश्व युद्ध को न्यौता देना होगा।

रूस और चीन के बीच बढ़ी नजदीकी

इधर, रूस और चीन के बीच नजदीकी बढ़ रही हैं। दोनों देश मिलकर चांद पर परमाणु प्लांट बनाना चाहते हैं। इसके लिए दोनों मिलकर काम भी करेंगे। रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस के ष्टश्वह्र यूरी बोरिसोव ने कहा था कि 2033-35 में रूस और चीन मिलकर चांद की सतह पर न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाएंगे। 19 मार्च 2023 को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 2 दिन के दौरे पर रूस पहुंचे थे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात की थी। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने माना था कि न्यूक्लियर वॉर कभी नहीं होना चाहिए। पुतिन ने कहा था कि चीन के पीस प्लान को जंग खत्म करने के आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। चीन के 12 प्वाइंट के पीस प्लान में सिर्फ बातचीत करने और राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करने की बात कही गई।

नमाज विवाद में अब तक दो अरेस्ट

गुजरात यूनिवर्सिटी में बढ़ी विदेशी छात्रों की सुरक्षा

पुलिस की द्वारा पूछताछ के आधार पर दूसरे युवकों की भी तलाश की जा रही है जिन्होंने हॉस्टल में अवैध एंट्री के बाद माहौल को खराब किया ।

अहमदाबाद, १८ मार्च ।

गुजरात यूनिवर्सिटी में १६ मार्च की रात को नमाज को खड़े हुए विवाद के बाद विदेशी छात्रों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है । इतना ही नहीं यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे ३०० विदेशी छात्रों को हृरह्ह हॉस्टल में शिफ्ट किया जाएगा । इस दिशा में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने काम शुरू कर दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ कैंपस में घुसे बाहरी तत्वों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है ।

अब तक इस मामले में दो युवकों को अरेस्ट किया गया है । पुलिस ने २०-२० अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी । युवकों के समूह ने हॉस्टल में नमाज पढ़ रहे युवकों को ऐसा करने से रोका था । इसके बाद ही विवाद शुरू हुआ था । पुलिस सामने आए तमाम वीडियो और चश्मदीदों के बयान दर्ज करने के साथ इस मामले की जांच में जुटी हैं । अहमदाबाद पुलिस की तरफ से इस मामले में आरोपियों को पकड़ने के नौ टीमों का गठन किया गया है ।

पुलिस ने बताया कि १६ मार्च की रात ए-ब्लॉक हॉस्टल में हुई घटना के बाद श्रीलंका और ताजिकिस्तान के दो छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था । दोनों छात्र अब ठीक है ।डीसीपी (जोन ७) तरुण दुग्गल ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत दंगा, गैरकानूनी सभा, चोट पहुंचाने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और आपराधिक अतिचार समेत विभिन्न आरोपों में २०-२५ अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई । उन्होंने बताया कि मामले में दो आरोपियों हितेश मेवाड़ा और भरत पटेल को गिरफ्तार किया गया है ।

पुलिस आयुक्तजी एस मलिक ने बताया था कि करीब २०-२५ लोग छात्रावास परिसर में घुसे और विदेशी छात्रों के वहां नमाज पढ़ने पर आपत्ति जताई और उन्हें मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए कहा । इसको लेकर उनके बीच बहस हो गई, छात्रों पर हमला व पथराव किया गया । उन्होंने उनके कमरों में भी तोड़फोड़ की । मलिक ने पत्रकारों से कहा कि पुलिस मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी । मलिक ने कहा कि घटना के कई कथित वीडियो भी सामने आए हैं जिनमें लोग पथराव कर रहे हैं और एक वीडियो में एक व्यक्तिविश्वविद्यालय के कर्मचारी को थप्पड़ मारता दिख रहा है । उन्होंने कहा कि पुलिस इन वीडियो की सत्यता की जांच कर रही है । गुजरात यूनिवर्सिटी में अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, श्रीलंका और अफ्रीका के छात्रों समेत लगभग ३०० विदेशी छात्र पढ़ते हैं । यूनिवर्सिटी के ए-ब्लॉक छात्रावास में लगभग ७५ विदेशी छात्र रहते हैं, जहां यह घटना हुई ।

गुजरात यूनिवर्सिटी में हमले के बाद कुलपति ने लिया बड़ा फैसला

अब विदेशी छात्रों को एनआरआई हॉस्टल में जगह दी जाएगी

अहमदाबाद, १८ मार्च ।

गुजरात यूनिवर्सिटी में नमाज को लेकर हुए विवाद पर यूनिवर्सिटी ने बड़ा फैसला लिया है । अब से विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है । उधर, इस मामले में हाईकोर्ट में स्वत: संज्ञान याचिका दायर की गई। हालांकि, कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेने से इनकार कर दिया है । कोर्ट ने कहा कि जांच करना पुलिस का काम है, हमारा नहीं । वहीं चांसलर निरजा गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर नमाज या धार्मिक गतिविधि नहीं की जा सकती ।इस मामलेमें अब तक ५ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

केईएमएसपी में धार्मिक गतिविधियों को लेकर एबीवीपी की ओर से कुलपति को शिकायत पत्र दिया गया । तब एबीवीपी की याचिका के खिलाफ कुलपति ने कहा था कि घटना के कारण जहां भी हमें नुकसान हुआ है, कार्रवाई की गई है । स्टाफ बदल दिया गया है । हमने जो सुरक्षा देखी है, उसे बढ़ा दिया है । एनआरआई हॉस्टल दो साल से बनकर तैयार है। लेकिन अग्नि सुरक्षा के अभाव के कारण विद्यार्थियों को कोई स्थान आवंटित नहीं किया गया । दो दिन पहले हमें फायर एनओसी मिल गई । अब विदेशी छात्रों को वहां जगह दी जाएगी । सभी छात्रों की सुरक्षा के लिए एक्स आर्मीमैन तैनात रहेंगे। नये छात्रावासों के आवंटन से पहले आगंतुकों को प्रवेश नहीं देने पर चर्चा की गयी है । हमने एक कमेटी बनाई है जो उन लोगों की जांच करेगी जिनके वीडियो वायरल हुए हैं । वे रिपोर्ट देंगे कि हमलावर यूनिवर्सिटी के हैं या बाहर के । साथ ही परिसर में धार्मिक गतिविधियों को लेकर कुलपति ने कहा कि सभी छात्रों को निर्देश दिया गया है कि अगर वे समूह में धार्मिक पूजा करना चाहते हैं तो उन्हें पूजा स्थल पर जाना होगा । अन्यथा अपने कमरे में ही पूजा करें। न सिर्फ नमाज़ के लिए, बल्कि किसी धार्मिक प्रदर्शन के लिए भी नहीं ।

बचपन की फोटो को ड्राइव में किया अपलोड, गूगल ने 'पोर्न' बता अकाउंट ब्लॉक किया

नील के बचपन की फोटो को गूगल ने चाइल्ड पोर्न बताते हुए उनके गूगल ड्राइव अकाउंट को ब्लॉक कर दिया ।

अहमदाबाद, १८ मार्च ।

गुजरात के रहने वाले २४ साल के नील शुक्ला एक दिन पुराने एलबम देख रहे थे । यह एलबम उनके बचपन की तस्वीरों की थी । उनकी यादें ताजा हो गईं । नील ने कुछ तस्वीरों को स्कैन किया और उन्हें अपने गूगल ड्राइव पर अपलोड कर लिया ताके ये तस्वीरें हमेशा उनके साथ रहें । अचानक गूगल ने उनके अकाउंट को ब्लॉक कर दिया । उनके ऊ पर आरोप लगाया कि उनके अकाउंट के चाइल्ड प्रोनोग्राफी के आरोप में ब्लॉक किया गया है । उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था । बाद में उन्हें पता चला कि उन्होंने अपने ड्राइव पर जो तस्वीरें अपलोड की थीं, उनमें से एक वह तस्वीर थे, जिसमें उनकी दादी उन्हें नहला रही हैं । तमाम कोशिश के बाद भी उनके अकाउंट को बहाल नहीं किया गया । अब हाई कोर्ट ने गूगल को नोटिस भेजा है ।

गुजरात हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, केंद्र सरकार और गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी किया है । इंजीनियर नील शुक्ला ने बताया कि वह महज दो साल के थे, जब उनकी दादी उन्हें नहला रही थीं । नील शुक्ला ने बताया कि उन्हें संदेह है कि उनके अकाउंट को ब्लॉक करने के पीछे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हो सकता है । नील ने बताया कि अपनी तस्वीरें उन्होंने गूगल ड्राइव पर अपलोड की थीं और पिछले साल अप्रैल में उनके अकाउंट को ब्लॉक कर दिया गया । गूगल के एआई-आधारित प्रयोगों ने हाल के दिनों में विवादास्पद परिणाम दिए हैं ।

नील शुक्ला के वकील दीपेन देसाई ने हाई कोर्ट को बताया कि उनके मुवक्किल ईमेल तक भी नहीं पहुंच सके और उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है । यह अवरोध एक कंप्यूटर इंजीनियर शुक्ला के लिए पहचान खोने जैसा था, जिनका अधिकांश व्यवसाय इंटरनेट के माध्यम से संचार पर निर्भर था । शुक्ला ने गूगल से अपने खाते को बहाल करने का अनुरोध किया था, लेकिन असफल रहे । गूगल के फेसलेस शिकायत निवारण में उनकी अपील के मुद्दे को हल करने में विफल होने के बाद, शुक्ला ने गुजरात पुलिस और केंद्र के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से संपर्क किया, जो भारत में ऐसे मामलों के लिए नोडल एजेंसी है । लेकिन शुक्ला ने कहा कि अधिकारी चुप रहे, जिसके बाद उन्हें मजबूरी में हाई कोर्ट में याचिका दायर करनी पड़ी ।

देसाई ने हाल ही में हाई कोर्ट की सुनवाई के दौरान तात्कालिकता पर जोर देते हुए कहा कि शुक्ला को अभी-अभी गूगल से एक नोटिस मिला था जिसमें कहा गया था कि उनके खाते से जुड़ा डेटा अप्रैल में हटा दिया जाएगा, जब इसे निष्क्रिय किए हुए एक साल हो जाएगा । इसके बाद न्यायमूर्ति वीडी नानावती ने अधिकारियों और गूगल को नोटिस जारी कर २६ मार्च तक उनका जवाब मांगा ।

लोकसभा के साथ विसावदर विधानसभा के उपचुनाव कराने की चुनाव आयोग से पेशकश की है : सीआर पाटील

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा आम चुनाव के साथ ही गुजरात की 6 में 5 सीटों पर उपचुनाव कराने की घोषणा की हो चुकी हैं जूनागढ़ की विसावदर विधानसभा सीट का मामला अदालत में विचाराधीन होने की वजह से चुनाव आयोग ने इस पर उपचुनाव का ऐलान नहीं किया इसे लेकर गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील का बयान सामने आया हैं सीआर पाटील ने कहा कि विसावदर सीट पर उपचुनाव लोकसभा के सामान्य चुनाव के साथ कराने के संदर्भ में निर्वाचन आयुक्त से पेशकश की हैं उन्होंने उम्मीद जताई की लोकसभा के साथ ही विसावदर सीट पर उपचुनाव होंगे बता दें कि गुजरात की सभी 26 सीटों पर एक ही चरण में 7 मई 2024 को वोटिंग होगी इसी दिन गुजरात विधानसभा की खंभात, वाघोडिया, विजापुर, पोरबंदर और माणावदर सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान होगा जबकि विसावदर का मामला अदालत में विचाराधीन होने की वजह से इस सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की गई हांलाकि खबर है कि विसावदर सीट से गत चुनाव में विजेता भूपत भायाणी की जीत को चुनौती देने वाले हर्षद रिबडिया ने अपनी याचिका वापस लेने की बात कही हैं हर्षद रिबडिया के याचिका वापस लेने से विसावदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया हैं इस बीच गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने उम्मीद जताई की लोकसभा चुनाव के साथ ही विसावदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होंगे इस संदर्भ में भाजपा ने निर्वाचन आयोग से पेशकश की हैं हाल ही में सीआर पाटील ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया था उन्होंने कहा कि लगातार दो दफा गुजरात की सभी 26 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है और तीसरी बार भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी साथ ही गुजरात विधानसभा की सभी 6 सीटों पर उपचुनाव में भाजपा जीतने का प्रयास करेगी

विदेशी छात्रों से हुई मारपीट, मामले में दो लोगों की गिरफ्तार

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात यूनिवर्सिटी के हॉस्टल कैंपस में विदेशी छात्रों से हुई मारपीट मामले में दो लोगों की गिरफ्तार हुई है। दोनों युवक अहमदाबाद के रहने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने सोला के रहने वाले हितेश मेवाड़ा और वस्त्राल के भरत पटेल को गिरफ्तार किया है। दोनों युवकों को क्राइम ब्रांच ने गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस को सौंप दिया है।

विदेशी छात्रों से मारपीट मामले पर विदेश मंत्रालय ने भी संज्ञान में लिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि गुजरात यूनिवर्सिटी में हिंसा की घटना हुई है। राज्य सरकार अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। झड़प में दो विदेशी छात्र घायल हुए थे। उसमें से एक छात्र को इलाज के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। मामले को लेकर विदेश मंत्रालय गुजरात सरकार के संपर्क में है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हॉस्टल में विदेशी छात्रों पर हमले के मामले में सात लोगों की पहचान हुई है। क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

विदेशी छात्रों के साथ हुई मारपीट के मामले में इंचार्ज डीसीपी तरुण दुग्गल ने कहा है कि आरोपियों को पकड़ने के लिए 9 टीम बनाई गई थी। मामले में 25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक गुलाबसिंह राजपूत ने पुलिस पर लगाया लोगों को दबाने का आरोप

बनासकांठा (ईएमएस) उत्तरी गुजरात के बनासकांठा लोकसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों चित्र स्पष्ट होने के बाद चुनाव प्रचार के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया हैं बनासकांठा जिले के दियोदर में आयोजित कार्यक्रम में थराद के पूर्व विधायक गुलाबसिंह राजपूत ने भाजपा समेत पुलिस पर निशाना साधा गुलाबसिंह ने पुलिस को धमकीभरे लहजे में कहा कि अगर भाजपा से प्रेम है तो उसका पट्टा पहन लेना वर्ना गेनीबेन ठाकोर की जीत के बाद पुलिस के पट्टे उतार देंगे बता दें कि कांग्रेस ने बनासकांठा लोकसभा सीट से सीटिंग विधायक गेनीबेन ठाकोर को उम्मीदवार बनाया हैं जबकि भाजपा ने रेखा चौधरी को टिकट दिया हैं गुलाबसिंह राजपूत ने आरोप लगाया कि पुलिस वाव और थराद में लोगों को दबाने का काम करती हैं कांग्रेस के पूर्व विधायक ने कहा कि उनके पास डेयरी थी, बैंक थी और गांव-गांव सोसायटी थी, सरकारी मशीनरी थी लेकिन वाव की जनता ने जो कर दिखाया उसकी वजह से गेनीबेन को कहीं पहचान देने की जरूरत नहीं पड़ती जो लोग गाड़ी पर खड़ रहते और जमीन पर पैर नहीं रखते थे, उन्हें जनता जमीन पर ले आई हैं लोकसभा चुनाव में बनासकांठा की जनता को वही काम करना हैं

गुजरात में गर्मी दिखाने लगी है अपने तेवर, कच्छ का नलिया 38 के साथ सबसे गर्म शहर

अहमदाबाद (ईएमएस) मार्च महीने के मध्य से ही गुजरात में गर्मी अपने तेवर दिखाने लगी हैं मौसम विभाग के अनुसार गुजरात के 14 शहरों में गर्मी का पारा 36 डिग्री को पार कर गया हैं जबकि 5 शहरों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री दर्ज हुआ हैं कच्छ का नलिया 38 डिग्री तापमान के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर रहा आमतौर पर होली के बाद तापमान बढ़ता है, लेकिन राज्य में अभी से गर्मी लोगों को परेशान करने लगी हैं मार्च महीने में राज्य का तापमान 38 डिग्री को पार कर गया हैं शीतऋतु में सबसे ठंडा रहनेवाला नलिया ग्रीष्मकाल में सबसे गर्म रहता हैं जहां सबसे अधिक गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं नलिया में अधिकतम तापमान 38 डिग्री दर्ज हुआ हैं राज्य के 14 शहरों को तापमान 36 डिग्री के पार पहुंच गया हैं जबकि 5 शहरों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री को पार कर गया हैं सौराष्ट्र के भावनगर में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री दर्ज हुआ वहीं गांधीनगर में 36 डिग्री, अहमदाबाद में 36.1 डिग्री, वडोदरा में 36.4 डिग्री, डीसा में 36.5 डिग्री, पोरबंदर में 36.5 डिग्री, भुज में 37.4 डिग्री, कंडला में 36.7 डिग्री, केशोद में 37.2 डिग्री, सुरेन्द्रनगर में 37.3 डिग्री, अमरेली में 37.6 डिग्री, राजकोट में 37.9 डिग्री और नलिया में अधिकतम तापमान 38 डिग्री दर्ज हुआ दूसरी ओर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने इस साल भीषण गर्मी की भविष्यवाणी की हैं अंबालाल की मानें तो आगामी दिनों में भीषण गर्मी लोगों को बेहाल कर देगी 22 मार्च तक मध्य गुजरात के हिस्सों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक पहुंच सकता हैं भीषण गर्मी का असर राज्य के ज्यादातर इलाकों में होगा जिसमें कच्छ, उत्तर सौराष्ट्र में सबसे अधिक गर्मी पड़ेगी 15 मार्च से राज्य में गर्मी बढ़ने की शुरुआत हो चुकी हैं

ट्रक के पीछे घुसी तेज रफ्तार कार, तीन युवकों की मौत

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस) मालवण के निकट एक दुर्घटना में कार में सवार तीन युवकों की मौत हो गई तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी घटना मारे गए युवकों के शव कार की बॉडी काटकर निकालना पड़ा 'तेज रफ्तार की मजा, मौत की सजा' जैसे स्लोगन हाईवे पर वाहन चालकों को सतर्क करने के लिए लिखे होते हैं इसके बावजूद आज के यंगस्टर्स इसे अनदेखा कर अंधाधुंध वाहन चलाने से बाज नहीं आते जिसकी वजह से अपनी जान तक गंवा देते हैं ऐसी ही एक घटना सुरेन्द्रनगर जिले में धांगधा-मालवण हाईवे पर हुई, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई जानकारी के मुताबिक मालवण पंप के निकट तेज रफ्तार में भागी जा रही कार के ड्राइवर ने अचानक स्टेयरिंग से अपना नियंत्रण गंवा दिया और आगे चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी इस हादसे में कार के चीथड़े उड़ गए और उसमें सवार तीन युवकों की मौत हो गई प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार की गति अधिक होने की वजह से यह हादसा हुआ हादसे में मारे गए तीनों युवकों के शव कार को काटकर बाहर निकाला गया घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू की

रुपयों की लेन-देन में दो भाइयों पर कैंची से हमला, तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

वडोदरा (ईएमएस) शहर के नवापुरा थानान्तर्गत रुपयों की लेन-देन में दो चचेरे भाइयों पर कैंची से हमला किया गया हमले में घायल एक भाई को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं नवापुरा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार वडोदरा के बकरावाडी क्षेत्र में रहनेवाले 39 वर्षीय चिराग बाबुभाई परमार लेडिज टेरलिंग की दुकान चलाते हैं करीब 6 वर्ष पहले उनके चचेरे भाई कैलाश परमार ने जांबुडी कई क्षेत्र में रहनेवाले जितेन्द्र हसमुखभाई चावडा से हर महीने 10 प्रतिशत ब्याज पर रु. 20000 लिए थे बीती शाम जितेन्द्र चावडा अपने रुपए लेने कैलाश परमार के घर जाता है, परंतु वह नहीं मिलता नौकरी छूटने के बाद जितेन्द्र चावड़ा टेलरिंग की दुकान पर पहुंच जाता हैं जहां जितेन्द्र और कैलाश के बीच तू-तू मैं-मैं शुरू हो जाती हैं मामला इतना बिगड़ जाता है कि दोनों आपस में भिड़ जाते हैं ऐसे में कैलाश की माता बीच-बचाव करने आती हैं तो जितेन्द्र की पत्नी धक्का मार कर उन्हें गिरा देती हैं जिसके बाद मामला और बिगड़ जाता है और उसी दौरान जितेन्द्र कैंची लेकर कैलाश को मारने जाता हैं लेकिन कैलाश बच जाता है और कैंची उसके चचेरे भाई चिराग परमार को लग जाता हैं इसी बीच जितेन्द्र का बेटा निशित वहां पहुंच जाता है और कैंची लेकर लेकर कैलाश और चिराग को मारने का प्रयास करता हैं हांलाकि तब तक घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो जाती है निशित को पकड़ लिया जाता हैं दूसरी ओर कैंची के हमले में लहूलुहान हुए चिराग परमार को वडोदरा के एसएसजी अस्पताल पहुंचाया जाता हैं घटना को लेकर नवापुरा पुलिस ने जितेन्द्र चावड़ा और उसकी पत्नी समेत निशित के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

एनएसडीसी ने आईटी और मैनेजमेन्ट सेक्टर में वर्क इंटीग्रेटेड डिग्री प्रोग्राम प्रदान करने के लिए शोभित यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू साइन किया

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2024: कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने आईटी और मैनेजमेन्ट सेक्टर में आगे बढ़ने वाले छात्रों के लिए संयुक्त रूप से वर्क इन्टीग्रेटेड डिग्री प्रोग्राम प्रदान करने के लिए देश के एक नामी हायर एजुकेशन इन्स्टीटयूट, शोभित इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस प्रोग्राम को उद्योगों में स्किल्ड वर्कफोर्स की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रैक्टिकल एक्सपोज़र के साथ एकेडेमिक नॉलेज को समेकित रूप से इंटीग्रेट करके डोमेन-स्पेसिफिक स्किल्स और कटिंग-एज टेक्नोलॉजी के साथ छात्रों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस कोलैबरेशन पर बोलते हुए, एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी, ने कहा कि ठतेजी से टेक्नोलॉजिकल एडवान्समेन्ट और डिजिटलाइज़ेशन के युग में, आईटी और मैनेजमेन्ट सेक्टर में स्किल्ड वर्कफोर्स की मांग काफी बढ़ गई है। इसलिए, यह जरूरी है कि हम युवाओं को इन्डस्ट्री से संबंधित स्किल्स से लैस करें जिससे वे अपने थियोरोटिकल नॉलेज को रियल-लाइफ़ सेटिंग में उपयोग करने और डोमेस्टिक और ग्लोबल मार्केट में नौकरी के अवसरों के रास्ते खोलने में सक्षम बन सकें।

बेटियों के बारे में उल्टी सीधी बात कही

काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ भड़का पाटीदार समुदाय

काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ शिकायत दर्ज की जाएगी

अहमबादाद, १८ मार्च ।

काजल हिंदुस्तानी विवाद: तेजाबी भाषण देने के लिए मशहूर काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ अब पाटीदार समुदाय ने मोर्चा बना लिया है । पाटीदार समुदाय की बेटियों पर अभद्र टिप्पणी करने वाली काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है । मोरबी में रहने वाले पाटीदार समुदाय के नेता और पास नेता ने काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है । एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मोरबी पाटीदार समुदाय की बेटियों के बारे में टिप्पणी करने वाली काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है । पाटीदार समाज के युवा नेता और कांग्रेस नेता मनोजभाई पनारा ने काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है । उन्होंने कहा कि अगर काजल ने सार्वजनिक रूप से हिंदुस्तानी पाटीदार समुदाय से माफी नहीं मांगी तो हम हाई कोर्ट जाएंगे ।

काजल हिंदुस्तानी ने मोरबी पाटीदार समुदाय की बेटियों को लेकर विवादित टिप्पणी की । फिर पूरे गुजरात में पाटीदार समुदाय काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ गुस्से में है । मोरबी में रहने वाले पाटीदार समुदाय के युवा नेता मैदान में आ गए हैं । कांग्रेस नेता मनोजभाई पनारा ने काजल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है । ये वायरल वीडियो ८ जून २०२३ का है । श्री गधक मित्र मंडल सूरत द्वारा आयोजित ३९वें स्नेहमिलन समारोह के एक वीडियो ने विवाद पैदा कर दिया है ।

काजल हिंदुस्तानी का एक वीडियो वायरल हो गया है । जिसमें उन्होंने पाटीदार समाज की बेटियों को लेकर विवादित बयान दिया है, जिसके बाद मामला गरमा गया है । काजल हिंदुस्तानी कहती हैं, 'पिताजी बहुत पैसा कमाने में लगे हुए हैं । माता शील बनाने का अपना ही मजा है । घर में लाखों रुपये गिर गये हैं, राजकोष से दो-पाँच लाख रुपये निकल जायँ तो कौन जानेगा । इन लड़कियों की उम्र १६-१७ साल है । अब सोचिए हमारा समाज कहां जा रहा है ।'

काजल हिंदुस्तानी द्वारा मोरबी में पाटीदार समाज की बेटी पर लगाए गए आरोप पर एसपीजी अध्यक्ष लालजी पटेल ने प्रतिक्रिया दी है । उन्होंने कहा कि शिकायत दर्ज कराने वाले पाटीदार नेता मनोज पनारा ही हैं । हम इसका समर्थन करेंगे । हम पाटीदार समुदाय की ओर से इसकी निंदा करते हैं ।' काजल हिंदुस्तानी ने पाटीदार बेटियों पर घटिया टिप्पणी की है जो उचित नहीं है । हम काजल हिंदुस्तानी के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर विरोध जताएंगे ।

बीच गांव में पांच शेरों ने एक गाय का मारण किया फिर हड़कंप मच गया

अमरेली, १८ मार्च ।

शेर अमरेली, जूनागढ़ और गिर सोमनाथ जिलों के गांवों तक पहुंच गए हैं । साथ ही शेर के इस इलाके में आने का वीडियो भी अक्सर देखने को मिलता रहता है । फिर शेर का एक और वीडियो सामने आया । अमरेली जिले के धारी तालुका के खीचा गांव में एक साथ पांच शेर पहुंचे और गांव की सड़क पर शिकार किया । इसके अलावा, एक अन्य शेर ने शिकार किया और मारन पर अपना अधिकार जताने की कोशिश की । इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है । अमरेली जिले में पिछले ९ दिनों में ७ ग्रामीण इलाकों में शेरों के घूमने और शिकार करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं । अमरेली जिले में अक्सर शेरों के घूमने और शिकार करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं । आज सोशल मीडिया पर शेर के टहलने का एक और वीडियो वायरल हो गया है । अमरेली जिले के धारी तालुका के खीचा गांव में ५ शेर आ गए । एक शेर ने एक गाय को मार डाला । शेर का वीडियो एक स्थानीय व्यक्तिने अपने कैमरे में कैद कर लिया और अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है ।ग्रामीण इलाकों में अक्सर घूमते हुए शेर की आज मौत हो गई । स्थानीय लोगों में डर था । शेर भारत का गौरव है । अमरेली, जूनागढ़, गिर सोमनाथ जिलों के कई इलाकों में शेर के वीडियो सामने आते हैं । शेर के शिकार के वीडियो सामने आते हैं । कई बार शेर के गांव में घुसने का वीडियो सामने आता है । फिर एक और वीडियो सामने आया है । वन विभाग लोगों से बार-बार अपील करता रहता है कि वन क्षेत्र में जाने वाले पर्यटक जंगल में कूड़ा-कचरा न फेंकें और जंगली जानवरों, पशु-पक्षियों को किसी प्रकार का भोजन न दें । यह भी अपील की गई है कि वन क्षेत्र में अवैध गतिविधियां न करें । जंगल के जानवरों को पालतू नहीं बनाया जाना चाहिए ।

कांग्रेस अमित शाह के खिलाफ पाटीदार महिला को उतारने की तैयारी में हैं और इस पर फिलहाल मंथन चल रहा हैं

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है और गुजरात भाजपा के साथ ही कांग्रेस और आम आदमी पार्टी समेत राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारियों में जुट गए हैं भाजपा गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी में हैं वहीं कांग्रेस भी ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी में है जो अपने प्रतिद्वंदी को कड़ी टक्कर दे सकें गांधीनगर लोकसभा सीट से फिर एक बार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनाव मैदान में हैं कांग्रेस अमित शाह के खिलाफ पाटीदार महिला को उतारने की तैयारी में हैं और इस पर फिलहाल मंथन चल रहा हैं जानकारी है कि दिल्ली में होनेवाली कांग्रेस की सीईसी की बैठक में इस पर चर्चा हो सकती हैं यह पाटीदार महिला हैं सोनल पटेल जो बतौर कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव कार्यरत हैं साथ ही महाराष्ट्र के सहप्रभारी की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं कांग्रेस लोकसभा चुनाव में गुजरात की सभी 26 सीटें जीतने के सपने को चकनाचूर करना चाहती हैं इसीलिए कांग्रेस ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतार रही है जो भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर दे सकें बता दें कि गुजरात की 26 सीटों में से कांग्रेस 24 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि भावनगर और भरुच सीट पर कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन हुआ हैं

पीरामल रियल्टी और इस्कॉन ने ठाणे के पीरामल वैकुंठ में श्री श्री राधा गोविंददेव मंदिर का किया उद्घाटन

मुंबई, मार्च 17, 2024 - ठाणे में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) के नए श्री श्री राधा गोविंददेव मंदिर का 17 मार्च 2024 को भव्य उद्घाटन हुआ, जिसे पीरामल ग्रुप की रियल एस्टेट शाखा पीरामल रियल्टी के सहयोग से बनाया गया है। लगभग 4,000 वर्ग फुट में फैला मंदिर परिसर, ठाणे में पीरामल वैकुंठ आवासीय परिसर के भीतर स्थित है। यह सहयोग समकालीन जीवनशैली के साथ आध्यात्मिकता के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण का प्रतिनिधित्व करता है, जो 'सेवा भाव' के लोकाचार का उदाहरण है, और 'कुशल रहो और भलाई करो' के प्रति पीरामल समूह की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ठाणे के पीरामल वैकुंठ में श्री श्री राधा गोविंददेव मंदिर, महाराष्ट्र में किसी गेटेड कम्युनिटी के भीतर बना पहला इस्कॉन मंदिर है।

इस मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह, परम पूज्य राधानाथ स्वामी, गवर्निंग बॉडी कमिश्नर (जीबीसी), इस्कॉन, एचजी गौरांग दास, गवर्निंग बॉडी कमिश्नर (जीबीसी), इस्कॉन, श्री अजय पीरामल, अध्यक्ष, पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड, डॉ. स्वाति पीरामल, उपाध्यक्ष, पीरामल समूह और पीरामल परिवार की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस समारोह में परम पूज्य राधानाथ स्वामी का प्रवचन भी हुआ।

'वैकुंठ' भगवान विष्णु का दिव्य निवास है, जो शाश्वत आनंद और आध्यात्मिक संतुष्टि की विशेषता है। पीरामल रियल्टी और इस्कॉन का साथ आना आध्यात्मिकता और आधुनिक जीवन के सामंजस्यपूर्ण मेल का प्रतीक है, 'सेवा भाव' के लोकाचार का उदाहरण है और ' कुशल रहो और भलाई करो' के प्रति पीरामल समूह की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सैट्स ने बेंगलुरु में अपनी सबसे बड़ी फूड सॉल्यूशंस फैसिलिटी खोली, भारत में रेडी-टु-ईट फूड के युग को मिली मजबूती

भारत, मार्च 15, 2024: भारत में रेडी-टु-ईट (आरटीई) फूड इंडस्ट्री ने हाल के वर्षों में काफी वृद्धि की है। इस वृद्धि के पीछे बदलती जीवनशैली, शहरीकरण और खर्च योग्य आमदनी में बढ़ोतरी जैसे कारण रहे हैं। सुविधाजनक होने और समय की बचत करने के कारण आरटीई फूड व्यस्त शहरी उपभोक्ताओं, स्टूडेंट्स, और कामकाजी प्रोफेशनल्स के बीच लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं। सैट्स प्रोजेक्ट्स साइजिंग का अध्ययन बताता है कि वर्ष 2023 में भारत में रेडी मील्स (पका-पकाया भोजन) की बिक्री 52 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य की होगीड1.और वर्ष 2026 तक यह 64 बिलियन यूएस डॉलर तक पहुँच जायेगी।

सैट्स फूड सॉल्यूशंस के सीईओ, स्टेनली गोह ने कहा कि इस फैसिलिटी का खुलना एशिया में सैट्स फूड के उत्पादन नेटवर्क के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ''विश्व-स्तरीय एयरलाइन्स और वाणिज्यिक एवं सार्वजनिक संस्थानों के लिए एशिया के अग्रणी कैटरर के रूप में हमारे ग्राहक सिंगापुर में उड़ानों में और हवाईअड्डों पर बड़े पैमाने पर प्रामाणिक स्वाद और उच्च गुणवत्ता वाले फूड सॉल्यूशंस प्रदान करने के लिए सैट्स और हमारे केन्द्रीय किचन्स पर भरोसा करते हैं। वाणिज्यिक चैनलों और ग्राहकों से मिली जानकारी के आधार पर हमारी विभिन्न क्षमताओं में पिछले पाँच दशकों में वृद्धि हुई है। आज हमारी सेवाओं में अधिप्राप्ति से लेकर मूल्यवर्द्धित प्रसंस्करण, उत्पादन, वाणिज्यीकरण और वितरण तक सम्पूर्ण खाद्य मूल्य श्रृंखला शामिल है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95